• RNI No. 58061/93 • वर्ष - 21 • अंक - 255 • पृष्ठ - 8 • रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 15-04-2026 • www.dakshinbharat.com • Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 सम्राट चौधरी ने बिहार में सरकार गठन का दावा पेश किया
6 होर्मुज की नाकेबंदी से टूटती अनगिनत उमीद
7 अनीता हसनंदानी के साथ तिरुमाला मंदिर पहुंचीं एकता कपूर

फर्स्ट टेक

दर्शन के बदले नकद घोटाले में त्र्यम्बकेश्वर मंदिर का एक न्यासी गिरफ्तार

नासिक (महाराष्ट्र)/भाषा। त्र्यम्बकेश्वर मंदिर में 'वीआईपी' सुविधा के तहत जल्दी दर्शन कराने के लिए अज्ञात लोगों द्वारा बिना रसीद के कुछ श्रद्धालुओं से कथित रूप से 3000-3000 रुपए लेने के कुछ दिन बाद मंदिर न्यास के एक न्यासी को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधीक्षक (नासिक ग्रामीण) बालासाहेब पाटिल ने बताया, ''त्र्यम्बकेश्वर देवस्थान न्यास के न्यासी पुरुषोत्तम कडलाग को सोमवार देर रात करीब एक बजे गिरफ्तार किया गया। यह साक्ष्य आधारित कार्रवाई है। हमने अब तक दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कुछ और नाम सामने आए हैं, जिनकी पुष्टि के बाद जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।'' आरोपियों को 20 अप्रैल तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

आयकर विभाग के कर्मचारी संगठनों ने 16 कल से चरणबद्ध आंदोलन की चेतावनी दी

नई दिल्ली/भाषा। आयकर विभाग के दो प्रमुख कर्मचारी संगठनों ने सरकार को चेतावनी दी है कि उनकी 'लंबित' मांगों और कामकाज के 'मुश्किल' हालात पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे 16 अप्रैल से चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेंगे। आयकर कर्मचारी महासंघ और आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ की भागीदारी वाली संयुक्त कार्रवाई परिषद (जेसीए) विभाग के लगभग 97 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करती है। ये कर्मचारी सरकार के लिए राजस्व संग्रह का काम करते हैं।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्नी ने विशेष चुनावों में जीत हासिल करके बहुमत वाली सरकार बनाई

टोरंटो/एपी। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने सोमवार रात विशेष चुनाव में जीत हासिल करके अपनी सरकार के लिए बहुमत सुनिश्चित कर लिया। इससे उनकी लिबरल पार्टी अब बिना विपक्षी दलों के समर्थन के भी कानून पारित कर सकेगी। मतदाताओं ने 343 निर्वाचन क्षेत्रों में से तीन रिक्त सीट के लिए मतदान किया। टोरंटो में, लिबरल पार्टी उम्मीदवार डेनियल मार्टिन ने यूनिवर्सिटी रोजडेल जिले से चुनाव जीता और लिबरल पार्टी उम्मीदवार डॉली बेगम ने स्कारबोरो साउथवेस्ट जिले से जीत हासिल की। क्यूबेक जिले के परिणाम बाद में आने की उम्मीद है। सोमवार के नतीजों के बाद लिबरल पार्टी 2029 तक सत्ता में बनी रह सकती है।

15-04-2026 सूर्यास्त 6:32 बजे | 16-04-2026 सूर्योदय 6:06 बजे

BSE	NSE
76,847.57	23,842.65
(-702.68)	(-207.95)

सोना	चांदी
15,850 रु.	261,747 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चर्चा ए आम

परिणामों पर पोल खोल की,
चैनल पर बस चबर-चबर है।
बता रहे हैं आज आंकड़े,
कौन सींकिया कौन जबर है।
चिंता से निश्चिंत हुए जो,
उनको अब हो गई सबर है।
पर बेसब्रे अब भी गाफिल,
कल की जिनको नहीं खबर है।।

जात-पात से ऊपर उठकर,

संपन्न एवं विपन्न के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान दें : राष्ट्रपति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ सभी विभाजनों से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के एकजुट रहना ही सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है।

अहमदाबाद/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को लोगों से जातिगत विभाजन से ऊपर उठकर एक समावेशी समाज की दिशा में काम करने की अपील करते हुए कहा कि देश को अब 'संपन्न और विपन्न' के बीच की खाई को पाटने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए।

मुर्मू ने गांधीनगर के लोक भवन (राज्यपाल आवास) में डॉ. बी. आर. आंबेडकर की जयंती पर आयोजित 'सामाजिक समरसता महोत्सव' को संबोधित करते हुए कहा कि जाति प्रथा अतीत की बात है और लोगों को अब एक समाज के रूप में आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पिछड़े हुए लोगों के उत्थान की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, जाति प्रथा बनाने वाले अब नहीं रहे। हमें मिलकर आगे बढ़ना होगा और सामाजिक सद्भाव को मजबूत करना होगा। एक तरह से अब केवल दो ही जातियां हैं - संपन्न और वंचित (विपन्न)। एकता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, '' किसी को भी केवल अपने ही हित की बात नहीं करनी चाहिए। हम सभी एक हैं। हम भाई-बहन हैं।''

भारत की सांस्कृतिक एकता पर जोर देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि देश की परंपराएं करुणा, समानता, पारस्परिक कल्याण और सद्भाव पर आधारित हैं। उन्होंने कहा, ''सभी विभाजनों से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के एकजुट रहना ही सामाजिक सद्भाव की सच्ची अभिव्यक्ति है।''

एकता का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि भारत माता की सभी संतानें एक हैं, जाति, वर्ग, भाषा या क्षेत्र के आधार पर नागरिकों में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए।

महिला आरक्षण 2029 में लागू हुआ तो लोकतंत्र होगा और मजबूत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ महिलाओं की बढ़ती भागीदारी से नीति-निर्माण होगा और प्रभावी, विकसित भारत को मिलेगी गति

■ प्रधानमंत्री ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम में संशोधन जल्द पारित करने की अपील, देरी को बताया अन्याय

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि यदि 2029 में लोकसभा और विभिन्न विधानसभाओं के चुनाव महिला आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं तो भारतीय लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा।

देश की महिलाओं को लिखे एक पत्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि जब महिलाएं नीति-निर्माण और निर्णय लेने की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करेंगी तब विकसित भारत की यात्रा और अधिक सशक्त एवं तेज होगी। उन्होंने कहा, ''इसलिए यह अनिवार्य है कि हम अपने विकास की गति को तेज करने के लिए हर संभव प्रयास करें और इसके लिए महिलाओं की सक्रिय भागीदारी अपरिहार्य है।''

प्रधानमंत्री ने कहा कि इसी सिद्धांत पर 2023 में 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' पारित हुआ था और इसी सिद्धांत के कारण यह संविधान संशोधन समय की आवश्यकता बन गया है। उन्होंने कहा कि कई क्षेत्रों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखते हुए विधायी निकायों में उनकी हिस्सेदारी बढ़ना उचित है। उन्होंने कहा कि संसद की तीन दिवसीय बैठक 16 अप्रैल से शुरू हो रही है और इसमें 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' में संशोधनों को पारित किया जाना चाहिए और इसमें किसी भी प्रकार की और अधिक देरी दुर्भाग्यपूर्ण एवं भारत की महिलाओं के साथ घोर अन्याय जैसा होगा।

प्रधानमंत्री ने अपने 'एक्स' हैंडल पर साझा किए गए पत्र में कहा, ''यदि 2029 के लोकसभा चुनाव और उस वर्ष होने वाले विभिन्न विधानसभा चुनाव महिलाओं के लिए आरक्षण के पूर्ण रूप से लागू होने के साथ कराए जाते हैं, तो हमारा लोकतंत्र और अधिक मजबूत तथा जीवंत बनेगा।''

मोदी ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि देश की महिलाएं अगले कुछ दिनों में संसद में संविधान संशोधन विधेयक के पारित होने का इंतजार कर रही हैं। उन्होंने यह भी कहा कि देश की बेटियों को उनके इस अधिकार के लिए अनंतकाल तक इंतजार नहीं कराया जा सकता। उन्होंने कहा, ''जब हमारी विधायिकाओं में महिलाओं की आवाज और मजबूत होती है, तो लोकतंत्र की आवाज भी और अधिक सशक्त हो जाती है।'' उन्होंने कहा, ''मैं संसद की अगली बैठक और संविधान संशोधन के पारित होने के लिए आपका तथा भारत की करोड़ों महिलाओं का आशीर्वाद चाहता हूं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि अपने स्थानीय सांसदों को पत्र लिखें और उनसे इस ऐतिहासिक संसद सत्र में भाग लेने का अनुरोध करें।'' उन्होंने महिलाओं से कहा कि वे सांसदों को याद दिलाएं कि वे ऐसा काम करने जा रहे हैं जिसका प्रभाव आने वाली सदियों तक महसूस किया जाएगा।

महिला आरक्षण विधेयक समय की जरूरत है : शाह

नई दिल्ली/भाषा। महिला आरक्षण विधेयक को समय की आवश्यकता बताते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि सभी को इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करना चाहिए। शाह ने इसे बेहतरी के लिए एक ऐसा बदलाव बताया, जिसे निश्चित रूप से बिना किसी देरी के होना चाहिए।

'एक्स' पर एक पोस्ट में शाह ने कहा, ''महिला आरक्षण विधेयक समय की आवश्यकता है। हमारी नारी शक्ति को न्यायोचित अधिकार है कि वे नीति-निर्माण में सक्रिय भागीदारी करें और राष्ट्र को सशक्त बनाने में अपनी भूमिका निभाएं। मोदी सरकार इस विधेयक को प्रस्तुत करने और इसे प्रभावी रूप से लागू करने के लिए दृढ़ संकल्पित है।'' उन्होंने कहा कि बेहतरी के लिए यह एक ऐसा बदलाव है, जो निश्चित रूप से बिना किसी देरी के होना चाहिए। उन्होंने उम्मीद जताई कि सभी लोग इस ऐतिहासिक कदम का समर्थन करेंगे।

ट्रंप ने मोदी से फोन पर बात की

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से फोन पर बातचीत की, जिस दौरान दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों में हुई महत्वपूर्ण प्रगति का जायजा लिया। भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने यह जानकारी दी। गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका के ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों में जल्द कुछ बड़े सौदों पर दस्तखत करने की उम्मीद है। उन्होंने कुछ चुनिंदा संवाददाताओं के समूह को बताया कि फोन पर हुई लगभग 40 मिनट की बातचीत में ट्रंप ने मोदी को पश्चिम एशिया की स्थिति के बारे में जानकारी दी।

सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए

राष्ट्र की इच्छाशक्ति सैन्य शक्ति जितनी ही महत्वपूर्ण : डोभाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है।

गांधीनगर/भाषा। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल ने मंगलवार को राष्ट्रीय सुरक्षा को एक जटिल और बहुआयामी मुद्दा बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि किसी राष्ट्र की शक्ति का आकलन करते समय उसके लोगों की इच्छाशक्ति को नजरअंदाज करना सबसे बड़ी गलती है।

डोभाल ने गुजरात के गांधीनगर में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) के पांचवें दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की मौजूदगी में छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हालांकि सैन्य शक्ति जैसे कारक अहम हैं, लेकिन सुरक्षा मामलों में अक्सर लोगों की अंतर्निहित शक्ति ही निर्णायक साबित होती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय सुरक्षा पूरे राष्ट्र की सामूहिक जिम्मेदारी है। डोभाल ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा एक व्यापक, जटिल और बहुआयामी मुद्दा है। इसमें कई घटक शामिल हैं : किसी राष्ट्र की सैन्य शक्ति, तकनीकी दक्षता, प्राकृतिक संसाधन, कूटनीतिक क्षमता और मानव पूंजी।

हालांकि, उन्होंने कहा कि इस व्यापक राष्ट्रीय शक्ति का आकलन करते समय राष्ट्र की इच्छाशक्ति और उसके लोगों की अंतर्निहित शक्ति का अंदाजा लगाने में अक्सर गलतियां होती हैं। डोभाल ने इसे समझाने के लिए वैश्विक घटनाक्रमों के उदाहरण दिए।

एनएसए ने कहा कि युद्ध का एकमात्र मकसद दुश्मन का मनोबल तोड़ना है, ताकि उन्हें आपकी शर्तों पर समझौता स्वीकार करने के लिए मजबूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि इस शक्ति के निर्माण में नागरिकों की भूमिका बेहद अहम है।

पश्चिम एशिया युद्ध पर गुतारेस ने कहा

रातोंरात समझौते नहीं होते, बातचीत जारी रहनी चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

संयुक्त राष्ट्र/भाषा। संयुक्त राष्ट्र प्रमुख एंतोनियो गुतारेस ने ईरान और अमेरिका के बीच रचनात्मक बातचीत जारी रखने के आह्वान के साथ ही इस बात पर जोर भी दिया है कि पश्चिम एशिया संघर्ष पर दोनों देशों के बीच हुई बातचीत बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद भी युद्धविराम को ''हर हाल में बरकरार रखा जाना चाहिए।''

अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे डी वेंस के नेतृत्व में अमेरिका और ईरान के बीच पाकिस्तान में शनिवार को 21 घंटे तक बातचीत हुई हालांकि इसमें युद्ध समाप्त करने को लेकर कोई समझौता नहीं हो सका।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव गुतारेस के प्रवक्ता द्वारा सोमवार को जारी एक बयान में कहा गया, ''हालांकि पाकिस्तान द्वारा इस्लामाबाद में आयोजित वार्ता में अमेरिका और ईरान के बीच कोई समझौता नहीं हुआ, लेकिन चर्चाओं ने स्वयं उनकी प्रतिबद्धता की गंभीरता को रेखांकित किया और नए सिरे से संवाद की दिशा में एक सकारात्मक और सार्थक कदम उठाया गया।''

वेंस ने इस्लामाबाद में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा था, ''उन्होंने हमारी शर्तें स्वीकार नहीं की हैं....हम देखेंगे कि हमारे प्रस्ताव को ईरानी स्वीकार करते हैं या नहीं।''

गुतारेस ने कहा कि गहरे मतभेदों को देखते हुए ''रातोंरात समझौता नहीं हो सकता'' और उन्होंने समझौते तक पहुंचने के लिए रचनात्मक रूप से बातचीत जारी रखने का आह्वान किया।

गुतारेस ने कहा साथ ही, युद्धविराम को पूरी तरह से बरकरार रखा जाना चाहिए। सभी प्रकार के उल्लंघन बंद होने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि हफ्तों की तबाही और संकट के बाद यह स्पष्ट है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का कोई सैन्य समाधान नहीं है।

अगले सप्ताह वार्ता के लिए इस्लामाबाद में मिल सकते हैं अमेरिका और ईरान के प्रतिनिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इस्लामाबाद/भाषा। ईरान और अमेरिका को बातचीत की मेज पर फिर से लाने के लिए पाकिस्तान उच्च स्तर पर कोशिश कर रहा है और दोनों पक्ष अगले सप्ताह तक इस्लामाबाद में वार्ता के दूसरे दौर के लिए फिर से मिल सकते हैं।

पाकिस्तानी मीडिया ने मंगलवार को यह खबर दी।

एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने उच्च पदस्थ सूत्रों के हवाले से खबर दी कि अमेरिका और ईरान के बीच रुकी हुई वार्ता को फिर से शुरू करने के लिए संपर्क जारी हैं और 21 अप्रैल को दो सप्ताह के युद्धविराम की समाप्ति से पहले बातचीत दोबारा शुरू हो सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री इसहाक डार और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर दूसरे दौर की वार्ता सुनिश्चित करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं, जिससे पश्चिम एशिया में युद्ध समाप्त हो सकता है।

इस्लामाबाद में आयोजित कुछ उच्च स्तरीय बैठकों में, दोनों पक्षों के शीर्ष नेतृत्व के बीच वार्ता के अगले दौर की तैयारी के संकेत दिए गए हैं। अमेरिका और ईरान ने गत सप्ताहांत 47 वर्षों में पहली बार सीधी बातचीत की थी।

लेबनान-इजराइल वार्ता से दूरी बनाएगा हिज्बुल्ला, समझौतों को मानने से इनकार

बेरूत/एपी। लेबनान के चरमपंथी समूह हिज्बुल्ला ने अमेरिका में लेबनान और इजराइल के बीच होने वाली प्रत्यक्ष वार्ताओं के परिणामस्वरूप होने वाले किसी भी समझौते को मानने से इनकार कर दिया है। चरमपंथी समूह के एक वरिष्ठ अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। हिज्बुल्ला की राजनीतिक परिषद के उच्चस्तरीय सदस्य वाफिक सफा ने वाशिंगटन में लेबनान और इजराइल के राजदूतों के बीच संभावित वार्ताओं की पूर्व संध्या पर यह बात कही। दशकों में ऐसा पहली बार होगा जब दोनों देशों के राजदूत आमने-सामने बैठकर वार्ता करेंगे। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध नहीं हैं। सफा ने समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस से कहा, लेबनान और दुश्मन इजराइल के बीच इस वार्ता के परिणामों की जहां तक बात है तो हम उनकी कतई परवाह नहीं करते और न ही हम इसे लेकर किसी तरह चिंतित हैं।

शी चिनफिंग ने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के सभी देशों की संप्रभुता के सम्मान का आह्वान किया

बीजिंग/भाषा। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के देशों की संप्रभुता, सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान किया जाना चाहिए।

शी ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी के युवराज शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान से मुलाकात के दौरान कहा कि सभी देशों के कर्मियों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों की सुरक्षा प्रभावी तरीके से सुनिश्चित की जानी चाहिए। उन्होंने पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र के लिए साझा, व्यापक, सहयोगात्मक और टिकाऊ सुरक्षा ढांचे के निर्माण की भी वकालत की।

शी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून के शासन का प्राधिकार बरकरार रखा जाना चाहिए, ताकि दुनिया फिर से जंगलराज की स्थिति में न लौटे। उन्होंने कहा कि विकास और सुरक्षा के बीच समन्वय होना चाहिए।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया

संविधान को नष्ट कर रही है भाजपा-आरएसएस की 'नफरत भरी सोच'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायगंज/मालदा (पश्चिम बंगाल)/भाषा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ''नफरत भरी सोच'' संविधान को नष्ट कर रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस राज्य के युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करने में विफल रही है।

उत्तर दिनाजपुर, मालदा और मुर्शिदाबाद जिलों में चुनावी रैलियों को संबोधित करते हुए उन्होंने दावा किया कि बंगाल के निवासी ''नफरत फैलाने वाली'' भाजपा और जनविरोधी तृणमूल कांग्रेस के बीच फंसे हुए हैं। उन्होंने कांग्रेस को जनता के कल्याण के लिए एकमात्र विकल्प बताया।

गांधी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार के ''भ्रष्टाचार और गलत शासन नीतियों में लिप्त होने से राज्य में भाजपा के प्रभाव के प्रसार का मार्ग प्रशस्त हुआ।'' उन्होंने कहा, ''अगर तृणमूल ने हिंसा न की होती और सुशासन दिया होता, तो भाजपा यहां पैर भी नहीं जमा पाती।''

कांग्रेस नेता ने कहा, ''मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पांच लाख लोगों को नौकरियां देने का वादा किया था। लेकिन 84 लाख युवाओं ने बेरोजगारी भत्ते के लिए आवेदन किया है।''

क्षेत्र के दिवंगत कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रियरंजन दासमुंशी को याद करते हुए, लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि यदि दासमुंशी जीवित होते, तो ''वह कांग्रेस शासित बंगाल के मुख्यमंत्री होते।''

गांधी ने भाजपा और आरएसएस पर निशाना साधते हुए उन पर ''नफरत भरी सोच'' से संविधान को नष्ट करने और ''वोट चोरी में लिप्त'' होने का आरोप भी लगाया।

प्रधानमंत्री का हर दौरा उत्तराखंड के लिए नई ऊर्जा और विकास की सौगात लाता है : धामी

मुख्यमंत्री बोले, देश को मिली आर्थिक गलियारे की सौगात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि उत्तराखंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का हर दौरा प्रदेश के लिए नई ऊर्जा और विकास की सौगात लेकर आता है।

यहां प्रधानमंत्री द्वारा 11,963 करोड़ रुपये की लागत से तैयार दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे के उद्घाटन के मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड और देश को इस आर्थिक गलियारे की सौगात मिली है। आज के दिन को कई मायनों में खास बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक ओर जहां दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे के रूप में उत्तराखंड की विकास यात्रा को नई गति मिल रही है, वहीं यह अवसर संविधान निर्माता बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती का भी है।

धामी ने बाबा साहेब को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बाबा साहेब ने सामाजिक सौहार्द एवं समरसता को मजबूत करने के लिए वंचित वर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने मोदी के उत्तराखंड के प्रति विशेष लगाव का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखंड का दशक बताकर राज्य के लोगों का उत्साहवर्धन किया, सीमांत गांव माणा में पहुंचकर उसे देश का प्रथम गांव घोषित किया और वैश्विक निवेशक सम्मेलन के उद्घाटन के दौरान 'वेड इन उत्तराखंड' (उत्तराखंड को विवाह गंतव्य के रूप में) को बढ़ावा दिया।

धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने आदि कैलाश के दर्शन कर इस तीर्थ को विश्व पटल पर नई पहचान दिलाई, राष्ट्रीय खेलों का उद्घाटन कर देवभूमि को खेलभूमि के रूप में पहचान दिलाई, हर्षिल-मुखबा क्षेत्र से शीतकालीन पर्यटन को बढ़ावा दिया तथा रजत जयंती वर्ष के अवसर पर अगले 25 वर्षों के लिए राज्य को नया दृष्टिकोण दिया।

मार्च में रूस से भारत का कच्चा तेल आयात तीन गुना होकर 5.3 अरब यूरो पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत की मार्च, 2026 में रूस से कच्चे तेल की खरीद तीन गुना से अधिक होकर 5.3 अरब यूरो रही है।

यह वृद्धि आयात मात्रा दोगुनी होने और वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के कारण हुई। यूरोपीय शोध संस्था सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के अनुसार, फरवरी में खरीद में गिरावट के बाद मार्च में भारत ने रूस से तेल की खरीद फिर तेज कर दी। रिपोर्ट में कहा गया कि मार्च, 2026 में भारत रूस से जीवाश्म ईंधन खरीदने वाला दूसरा सबसे बड़ा देश रहा। इस दौरान भारत ने कुल 5.8 अरब यूरो के रूसी ईंधन उत्पादों का आयात किया, जिनमें कच्चे तेल की हिस्सेदारी 91 प्रतिशत (5.3 अरब यूरो) रही। शेष आयात में कोयला (33.7 करोड़ यूरो) और पेट्रोलियम उत्पाद (17.85 करोड़ यूरो) शामिल रहे।

फरवरी में भारत, रूस से ऊर्जा आयात करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश था और कुल आयात 1.8 अरब यूरो रहा था। उस समय कच्चे तेल की हिस्सेदारी 81 प्रतिशत (1.4 अरब यूरो) थी। कोयले की हिस्सेदारी 22.3 करोड़ यूरो और पेट्रोलियम उत्पादों की 12.1 करोड़ यूरो थी। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च में भारत के कुल कच्चे तेल आयात में चार प्रतिशत की कमी दर्ज की गई, लेकिन रूस से आयात दोगुना हो गया। यह वृद्धि अमेरिका द्वारा रूसी तेल पर एक महीने की प्रतिबंध छूट दिए जाने के बाद हुई। यह छूट पहले से समुद्र में मौजूद खेपों और पहले प्रतिबंधित जहाजों से हो रही आपूर्ति पर लागू थी।

भारत की व्यापार नीति समीक्षा रिपोर्ट तैयार करने में जुटा डब्ल्यूटीओ

नई दिल्ली/भाषा। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के स्तर पर भारत की व्यापार नीति समीक्षा (टीपीआर) रिपोर्ट तैयार करने का काम तेजी से चल रहा है और यह जुलाई में जारी हो सकती है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी है। इस सिलसिले में डब्ल्यूटीओ सचिवालय के अधिकारियों की एक टीम पिछले सप्ताह भारत के दौरे पर आई थी।

अधिकारी ने कहा, टीपीआर रिपोर्ट पर काम चल रहा है। हम सरकार की रिपोर्ट सौंपेंगे और डब्ल्यूटीओ सचिवालय की रिपोर्ट पर अपने विचार भी देंगे। डब्ल्यूटीओ अपने सदस्य देशों के सहयोग से यह रिपोर्ट तैयार करता है। इसमें सदस्य देश की व्यापार नीतियों, प्रक्रियाओं, नीति-निर्माण संस्थाओं और व्यापक आर्थिक स्थिति का विस्तृत विश्लेषण शामिल होता है। डब्ल्यूटीओ के नियमों के मुताबिक, सदस्य देशों की समीक्षा वैश्विक व्यापार में उनकी हिस्सेदारी के आधार पर की जाती है। यूरोपीय संघ, अमेरिका, चीन और जापान जैसे शीर्ष चार व्यापारिक इकाइयों की समीक्षा हर तीन वर्ष में होती है। वहीं, भारत समेत अगले 16 बड़े व्यापारिक देशों की व्यापार नीति समीक्षा हर पांच वर्ष में होती है, जबकि अन्य देशों की समीक्षा सात साल में एक बार होती है। व्यापार नीति की समीक्षा करने का मकसद सदस्य देशों की व्यापार नीतियों में पारदर्शिता बढ़ाकर बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली को सुचारु बनाना है।

ईरान युद्ध ने वैश्विक वृद्धि को किया धीमा, महंगाई बढ़ने की आशंका: मुद्राकोष

वाशिंगटन/एपी। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध ने इस वर्ष विश्व की आर्थिक गति को धीमा कर दिया है, जिससे 2025 की तुलना में वृद्धि दर में गिरावट आने की आशंका है। आईएमएफ ने वैश्विक वृद्धि के अपने अनुमान को घटाकर 2026 के लिए 3.1% कर दिया है, जबकि जनवरी में इसके 3.3 प्रतिशत रहने की संभावना जतायी गयी थी। यह 2025 में अनुमानित 3.4 प्रतिशत वृद्धि से धीमी होगी। ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों, ईरान के होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने और पड़ोसी देशों में तेल रिफाइनरियों और अन्य ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर जवाबी हमलों के कारण दुनिया भर में तेल एवं गैस की कीमतों में तेजी आई है। इसके परिणामस्वरूप, आईएमएफ ने इस वर्ष वैश्विक मुद्रास्फीति के अपने अनुमान को बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर दिया है, जबकि जनवरी में इसके 3.8 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। वहीं 2025 के लिए यह 4.1 प्रतिशत था। युद्ध से पहले तक, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की संरक्षणवादी नीतियों के बावजूद विश्व अर्थव्यवस्था ने आश्चर्यजनक रूप से मजबूती दिखाई थी। इन नीतियों ने दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था और कभी आयात के लिए लगभग पूरी तरह से खुला बाजार रहे अमेरिका के चारों ओर आयात कर की दीवार खड़ी कर दी थी।

घरेलू निवेशकों के दम पर पेटीएम बनी बहुलांश भारतीय स्वामित्व वाली कंपनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। डिजिटल भुगतान मंच पेटीएम का परिचालन करने वाली कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस लिमिटेड मार्च, 2026 के अंत तक घरेलू निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़कर 50.3 प्रतिशत होने के साथ बहुलांश भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली कंपनी बन गई है।

यह वित्तीय-प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी के स्वामित्व ढांचे में एक अहम बदलाव को दर्शाता है। नियामकीय सूचना के मुताबिक, कंपनी में घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च तिमाही में बढ़कर रिकॉर्ड 23.1 प्रतिशत हो गई, जो तिमाही आधार पर 2.8 प्रतिशत अंक और सालाना आधार पर 9.1 प्रतिशत अंक अधिक है।

घरेलू संस्थागत निवेशकों की हिस्सेदारी बढ़ाने में म्यूचुअल फंड कंपनियों की अग्रणी भूमिका रही। म्यूचुअल फंड की कुल हिस्सेदारी 14.3 प्रतिशत से बढ़कर 16.6 प्रतिशत हो गई, जबकि निवेश करने वाले कोषों की संख्या 36 से बढ़कर 41 हो गई। बीमा कंपनियों की भी हिस्सेदारी करीब 4.8 प्रतिशत से बढ़कर 5.1 प्रतिशत हो गई। टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस और एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस उन प्रमुख निवेशकों में शामिल हैं जिन्होंने निवेश बढ़ाया। कंपनी के परिचालन प्रदर्शन में भी सुधार देखने को मिला है। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने लगातार तीसरी बार लाभ दर्ज करते हुए 225 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया।

आंबेडकर की दूरदृष्टि कर रही है भारत की विकासयात्रा का मार्गदर्शन : वीरेंद्र कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री वीरेंद्र कुमार ने मंगलवार को कहा कि डॉ बी आर आंबेडकर की दूरदृष्टि समावेशी विकास की दिशा में भारत की यात्रा का मार्गदर्शन करती रहती है तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की मौजूदा पहल उनके आदर्शों को दर्शाती हैं।

आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर यहां एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, ''डॉ. बी. आर. आंबेडकर का जीवन संघर्षों से भरा था। वह केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचारधारा थे।'' उन्होंने कहा, ''सबसे कठिन समय में भी वह प्रकाशपुंज बनकर खड़े रहे। उन्होंने महिलाओं की गरिमा, दलितों के उत्थान, श्रमिकों के कल्याण और समाज के हर वर्ग के लिए अथक परिश्रम किए। गहरी करुणा के साथ, उन्होंने सभी के लिए न्याय, समानता और बंधुत्व सुनिश्चित करने के प्रयास शुरू किए।'' आंबेडकर का जन्म 14 अप्रैल, 1891 को मध्यप्रदेश के महू में हुआ था। उनका निधन छह दिसंबर, 1956 को हुआ। उन्हें भारतीय संविधान का शिल्पी माना जाता है।

संविधान में आंबेडकर के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कुमार ने कहा, ''संविधान में उन्होंने समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान किए। चाहे वह शिक्षा हो, कानून हो, स्वास्थ्य सेवा हो, कृषि हो या कोई अन्य क्षेत्र, उनकी सोच गहन और व्यापक थी।'' कुमार ने कहा, ''आज हम उनके दृष्टिकोण को साकार होते देख रहे हैं। जिस प्रकार उन्होंने संविधान में समाज के हर वर्ग के कल्याण के लिए प्रावधान किए, उनकी सोच शिक्षा, कानून, स्वास्थ्य सेवा या कृषि जैसे सभी क्षेत्रों में बहुत गहरी थी। अब हम देख रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसी सोच को आगे बढ़ा रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''डॉ. आंबेडकर ने एक ऐसे समाज की कल्पना की थी जिसमें सबसे आखिरी पंक्ति में, सबसे दूर खड़े व्यक्ति को भी शामिल किया जाए। उनका मानना था कि यदि विकास की यात्रा में एक भी व्यक्ति पीछे छूट जाता है, तो हमारा विकास अधूरा रह जाता है।''

सरकार के प्रयासों का जिक्र करते हुए कुमार ने कहा, ''उस सपने को साकार करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कदम उठाए हैं कि विकास की दौड़ में कोई भी पीछे न छूट जाए। ये प्रयास डॉ. बी. आर. आंबेडकर के विचारों और दृष्टिकोण से प्रेरित हैं, जिन्हें अमल में लाया जा रहा है।''

महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक पेश करेगी सरकार, लोकसभा सीटों की संख्या 850 करने का प्रस्ताव

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को मूर्त रूप देने के लिए बृहस्पतिवार को एक विधेयक संसद में पेश किया जाएगा, जिसमें संसद के निचले सदन में सदस्यों की मौजूदा संख्या 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रावधान है। इसके साथ ही, सरकार परिसीमन आयोग के गठन के लिए भी एक विधेयक तथा इन्हीं से संबंधित केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन विधेयक), 2026 लाने की तैयारी में है। विधेयकों की प्रतियां सांसदों को वितरित की गई हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनयम में संशोधन करने वाले विधेयक में निर्वाचन क्षेत्रों का फिर से निर्धारण करने के लिए 2011 की जनगणना के आंकड़ों को आधार बनाया जाएगा। विधेयक संविधान के अनुच्छेद 81 में संशोधन का प्रस्ताव करता है। इसमें कहा गया है कि ''लोकसभा में राज्यों के क्षेत्रीय निर्वाचन क्षेत्रों से प्रत्यक्ष निर्वाचन द्वारा चुने गए 815 से अधिक सदस्य नहीं होंगें और केंद्र शासित प्रदेशों का प्रतिनिधित्व करने के लिए 35 से अधिक सदस्य नहीं होंगे, जो संसद द्वारा पारित कानून के तहत प्रदान किए गए तरीके से चुने जाएंगे।''

केजरीवाल का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने का इतिहास रहा है : रेखा गुप्ता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख अरविंद केजरीवाल लोकतांत्रिक संस्थाओं को निशाना बनाते हैं।

गुप्ता ने एक जनसभा में कहा, आज दिल्ली और पूरा देश साथ-साथ आगे बढ़ रहे हैं। मैंने देखा कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल वकील हो गए हैं। वह अदालत में जाकर अपनी सफाई पेश करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केजरीवाल का प्रमुख संस्थानों को निशाना बनाने का पुराना इतिहास है।

गुप्ता ने केजरीवाल पर लोकतांत्रिक संस्थानों को निशाना बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस एजेंसी ने भी केजरीवाल के खिलाफ दो शब्द कह दिए, उन्होंने उसको निशाना बनाया, फिर चाहे वह सीबीआई (केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो), ईडी (प्रवर्तन निदेशालय), निर्वाचन आयोग, प्रधानमंत्री, उपराज्यपाल और यहां तक कि न्यायपालिका ही क्यों न हो। उन्होंने कहा, ''आज केजरीवाल न्यायपालिका पर सवाल उठा रहे हैं। जब फैसले उनके पक्ष में आते हैं तब इन संस्थाओं की तारीफ करते हैं, लेकिन अब उन्होंने फिर से न्यायपालिका पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। मैं पूछना चाहती हूं कि उन्हें कौन सा डर सता रहा है कि वह लोकतंत्र के इतने मजबूत स्तंभों पर उंगली उठा रहे हैं?''

गुप्ता ने कहा, ''दिल्ली और देश की जनता इस व्यवहार को देख रही है। देश को न्यायपालिका पर भरोसा है और न्याय की जीत होगी।'' उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी जनता को निराश कर चुकी है। केजरीवाल ने सोमवार को दिल्ली उच्च न्यायालय की न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के समक्ष स्वयं दलीलें पेश की और उन्हें सुनवाई से अलग होने की अपील की।

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में विद्युत संयंत्र में हुए विस्फोट में नौ लोगों की मौत, 15 घायल

सक्ती (छत्तीसगढ़)/भाषा। छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में मंगलवार को एक विद्युत संयंत्र के बॉयलर में हुए विस्फोट के कारण नौ श्रमिकों की मौत हो गई तथा 15 अन्य घायल हो गए हैं। पुलिस अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने घटना पर दुख जताते हुए कहा कि दोषियों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने बताया कि घटना जिले के डभरा थाना क्षेत्र के सिंघीतराई गांव में हुई जहां वेदांता कंपनी के विद्युत संयंत्र में बॉयलर के ट्यूब में विस्फोट हो गया। ठाकुर ने बताया कि जिस वक्त यह घटना हुई वहां काफी संख्या में श्रमिक काम कर रहे थे। कम से कम नौ श्रमिकों की मौत हो गई तथा 15 अन्य घायल हो गए। अधिकारी ने बताया कि तीन श्रमिकों की मौत घटनास्थल पर हुई तथा छह अन्य की मौत अस्पताल में इलाज के दौरान हुई। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस दल मौके पर पहुंचा और वहां से मजदूरों को बाहर निकाला।

वित्तीय संस्थानों और कई बिल्डर के बीच गठजोड़ मामले में आठ राज्यों में सीबीआई की छापेमारी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने विभिन्न बिल्डर और वित्तीय संस्थानों के बीच साठगांठ के सिलसिले में 22 नये मामले दर्ज करने के बाद मंगलवार को आठ राज्यों में 77 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि छापेमारी दिल्ली, चेन्नई, पुडुचेरी, बेंगलुरु और अन्य स्थानों पर की गई। सीबीआई के एक प्रवक्ता ने बयान में कहा, ''ये मामले कुछ बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों के बीच कथित साठगांठ से संबंधित हैं, जिसके कारण निर्दोष घर खरीददारों के साथ धोखाधड़ी की गई।''

पश्चिम एशिया युद्ध का वाहन उद्योग पर पड़ सकता है प्रतिकूल असर: सियाम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध का भारतीय मोटर वाहन उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है और यह क्षेत्र की मांग को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर निकट अवधि में चुनौतियां खड़ी कर सकता है।

चंद्रा ने पत्रकारों से कहा कि मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2025-26 को मजबूत स्थिति से समाप्त किया, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न घटनाक्रम कुछ जोखिम पैदा करते हैं। उन्होंने कहा, '' पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न हालिया अनिश्चितताओं पर करीबी नजर रखने की जरूरत है। बदलती भू-राजनीतिक स्थिति का मोटर वाहन उत्पादन, कच्चे माल एवं जिंस कीमतों, ईंधन कीमतों तथा मालभाड़ा दरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है जिससे उद्योग के सामने निकट अवधि की चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं और मांग पर भी अप्रत्यक्ष असर पड़ सकता है।'' घरेलू मोटर वाहन उद्योग की मौजूदा स्थिति पर जानकारी साझा करते हुए चंद्रा ने कहा, '' आपूर्ति में व्यवधान के कारण प्रोपेन और एथिलीन की कमी हो गई है, जो 'पेंट शॉप' और 'हीट ट्रीटमेंट' प्रक्रियाओं जैसे विनिर्माण कार्यों के लिए महत्वपूर्ण कच्चा माल है। उन्होंने कहा, '' कुछ पेट्रोरसायन और अन्य प्रमुख जिंस में कमी तथा लागत वृद्धि के कारण दबाव उभर रहे हैं।'' सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अध्यक्ष ने बताया कि वैश्विक लॉजिस्टिक्स स्थितियां भी अधिक अस्थिर हो गई हैं। मार्ग परिवर्तन से आवाजाही का समय बढ़ने के कारण शिपिंग लागत बढ़ रही है। चंद्रा ने हालांकि स्पष्ट किया कि फिलहाल उत्पादन में कोई व्यवधान नहीं आया है, हालांकि स्थिति ''संवेदनशील'' बनी हुई है। कलपुर्जों की आपूर्ति को लेकर जो स्पष्टता पहले हर तीसरे दिन मिलती थी उसमें अब कुछ देरी हो रही है। उन्होंने साथ ही कहा, '' अगर यह स्थिति लंबी खिंचती है और और खराब होती है, तो हम अपरिहार्य परिस्थितियों का सामना करेंगे...''

लागत वृद्धि एवं संभावित वाहन मूल्य वृद्धि पर चंद्रा ने कहा, '' संभावना है कि लागत बढ़ने के साथ वाहनों की कीमतों में भी वृद्धि देखने को मिल सकती है। ओईएम (मूल उपकरण निर्माता) किस हद तक जिंस कीमतों को वहन कर पाएंगे और कीमतें कितनी बढ़ेंगी, यह चार से पांच सप्ताह में स्पष्ट होगा।''

मुख्यमंत्री रेड्डी ने परिसीमन में दक्षिण के साथ 'अन्याय' का आरोप लगाया, व्यापक परामर्श की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने परिसीमन को लेकर केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार पर मंगलवार को अपना हमला तेज करते हुए आरोप लगाया कि अगर सीट की संख्या में पर्याप्त वृद्धि नहीं की गई तो दक्षिणी राज्यों में महिलाओं, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के साथ ''अन्याय'' होगा।

रेड्डी ने बी. आर. आंबेडकर की जयंती के अवसर पर उनकी प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि उन्होंने परिसीमन का मुद्दा इसलिए उठाया था क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिणी राज्यों की कीमत पर उत्तर प्रदेश या गुजरात में सीट की संख्या बढ़ाने की कथित तौर पर कोशिश कर रहे थे।

रेड्डी ने कहा कि वह इस बात से इनकार नहीं करते कि अगर सीट में आनुपातिक आधार पर वृद्धि की जाती है तो उत्तरी राज्यों में महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के प्रतिनिधित्व को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि अगर कुल सीट की संख्या में आनुपातिक आधार पर 50 प्रतिशत की वृद्धि की जाती है, तो केरल में लोकसभा की सीट 20 से बढ़कर 30 हो जाएंगी और उत्तर प्रदेश में 80 से बढ़कर 120 हो जाएंगी।

रेड्डी ने कहा, ''अगर किसी उत्तरी राज्य में 30 सीट बढ़ जाती हैं, तो वहां दलितों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण बढ़ सकता है। मैं इससे इनकार नहीं करता। लेकिन क्या दक्षिणी राज्यों में सीट कम होने से दलितों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं को नुकसान नहीं होगा?'' उन्होंने पूछा कि क्या केंद्र सरकार दक्षिणी राज्यों में दलितों, अनुसूचित जनजातियों और महिलाओं को इसलिए नुकसान पहुंचाना चाहेगी क्योंकि इन राज्यों ने अतीत में राष्ट्रीय नीति के अनुसार जनसंख्या वृद्धि को सफलतापूर्वक नियंत्रित किया था।

रेड्डी ने तेलंगाना और अन्य राज्यों में निर्वाचन क्षेत्रों की संख्या बढ़ाने के लिए संघर्ष करने का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि संसद में महिलाओं के लिए आरक्षण प्रदान करने के मकसद से प्रस्तावित विधेयक पर कांग्रेस को कोई आपत्ति नहीं है और उनकी सरकार विधानसभा में महिलाओं के आरक्षण पर कानून पारित करने के लिए तैयार होगी। उन्होंने भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर हमला करते हुए कहा कि जब क्षेत्रीय पार्टी सत्ता में थी तब अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्गों को मंत्रिमंडल में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया था।

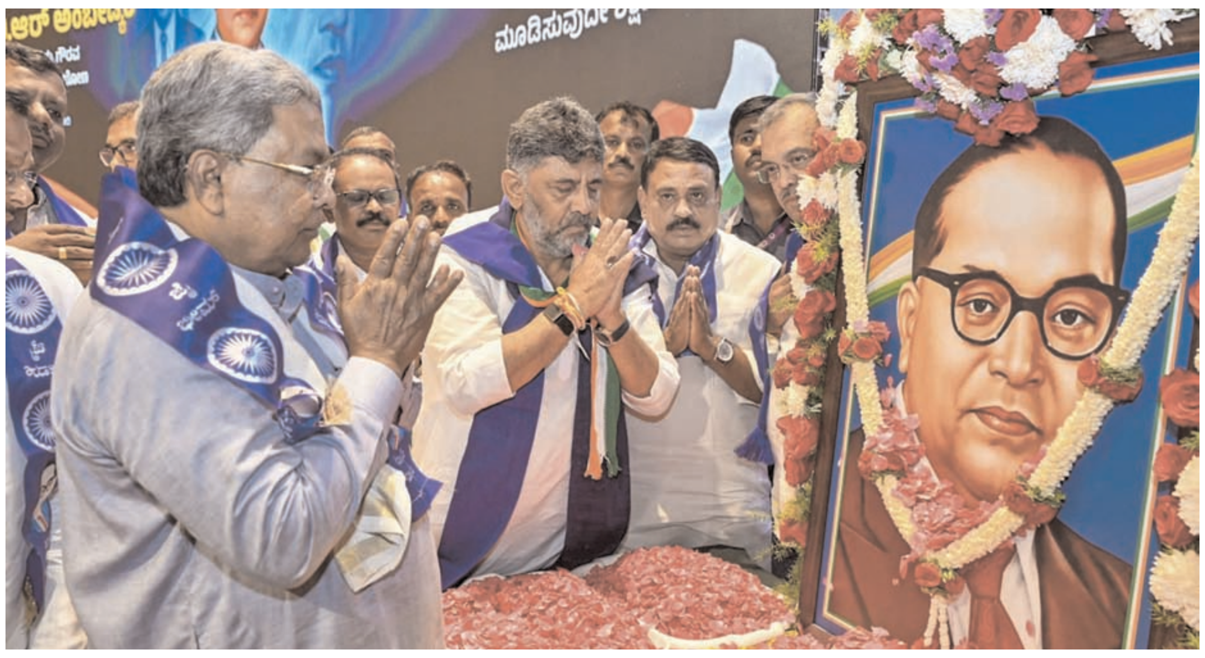

संविधान की बदौलत ही मैं मुख्यमंत्री बना : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में बाबासाहेब के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त की। विधानसभा की सीढ़ियों पर आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे आज जिस मुकाम पर हैं, वह केवल अंबेडकर द्वारा रचित संविधान की ही देन है।

मुख्यमंत्री ने कहा, मैं आज बाबासाहेब के लिखे संविधान की वजह से ही राज्य का मुख्यमंत्री बन सका हूँ। उन्होंने देश को दुनिया का सबसे बड़ा संविधान दिया, जो हर भारतीय को स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे का अधिकार देता है। शिक्षा पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ही सभी बंधनों से मुक्ति दिलाने वाला सबसे शक्तिशाली हथियार है। उन्होंने युवाओं से ऐसी शिक्षा प्राप्त करने का आह्वान किया जो वैज्ञानिक दृष्टिकोण, समझदारी और मानवता से भरी हो।

सिद्दरामय्या ने याद दिलाया कि अंबेडकर केवल दलितों के ही नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति के नेता थे जिन पर अत्याचार हुआ या जिन्हें अवसरों से वंचित रखा गया। मुख्यमंत्री ने अफसोस जताते हुए कहा कि आज भी पूर्ण सामाजिक और आर्थिक समानता हासिल नहीं हो पाई है। उन्होंने डॉ. अंबेडकर के शब्दों को दोहराया: जब तक समाज में जाति व्यवस्था और आर्थिक असमानता रहेगी, तब तक छुआछूत और जातिवाद को खत्म करना असंभव है।

समारोह के दौरान मुख्यमंत्री ने शिक्षा के क्षेत्र में सरकार की सफलता को भी रेखांकित करते हुए कहा कि सरकारी रेसिडेंशियल स्कूलों का परिणाम 97.227 रहा। पीयूसी परीक्षाओं में भी इन छात्रों ने शानदार प्रदर्शन किया। सरकार की 'गारंटी योजनाएं' समाज में आर्थिक और सामाजिक मजबूती लाने का एक ईमानदार प्रयास हैं।

सिद्दरामय्या ने 'मनुवादी' विचारधारा और झूठे प्रोपेगैंडा के खिलाफ लोगों को आगाह किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग यह झूठ फैलाते हैं कि कांग्रेस ने अंबेडकर का अपमान किया, जबकि सच्चाई यह है कि अंबेडकर का कद इतना बड़ा है कि वे देश के लिए हमेशा एक अमूल्य धरोहर रहेंगे।

इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग द्वारा डॉ. बी.आर. अंबेडकर अवॉर्ड समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें मेधावी छात्रों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मंत्री डॉ. एच. सी. महादेवप्पा, के. एच. मुनियप्पा, मुख्य सचिव शालिनी रजनीश सहित कई वरिष्ठ नेता और अधिकारी उपस्थित रहे।

कर्नाटक उपचुनाव : सिद्दरामय्या के राजनीतिक सचिव अहमद को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद को तत्काल प्रभाव से 'कार्यमुक्त' कर दिया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, कांग्रेस के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अहमद पर दावणगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया है। पार्टी ने दिवंगत विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के पोते समर्थ शमनूर को चुनावी मैदान में उतारा था। शिवशंकरप्पा के निधन के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। समर्थ कर्नाटक के खान एवं भूविज्ञान मंत्री एस. एस. मल्लिकार्जुन के बेटे हैं।

यहां 13 अप्रैल को जारी एक सरकारी अधिसूचना में कहा गया है, ''नसीर अहमद को मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव के पद से तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त किया जाता है।'' कांग्रेस के एमएलसी अब्दुल जब्बार ने तीन दिन पहले कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। सिद्दरामय्या ने मंगलवार को आवास, अल्पसंख्यक कल्याण और वक्फ

मंत्री बी. जेड. जमीर अहमद खान को अपने आवास पर तलब किया। खान ने यहां पत्रकारों को बताया, ''मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मुझे आधे घंटे में अपने आवास पर आने के लिए कहा है। मैं अब वहीं जा रहा हूं।'' इन मुस्लिम नेताओं पर समर्थ शमनूर के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया गया था। समर्थ के नाम की घोषणा होते ही सत्ताधारी कांग्रेस में हलचल मच गई थी। कांग्रेस के बागी उम्मीदवार सादिक पहलवान ने दावणगेरे दक्षिण से नामांकन पत्र दाखिल किया था, लेकिन सिद्दरामय्या के समझाने पर उन्होंने अपना नामांकन वापस ले लिया। हालांकि, कांग्रेस में असहमति जारी रही और अधिकतर मुस्लिम नेताओं ने चुनाव प्रचार से परहेज किया। दावणगेरे दक्षिण में मुस्लिम आबादी काफी अधिक है और मुस्लिम नेता अपने समुदाय से एक उम्मीदवार चाहते थे, लेकिन कांग्रेस ने समर्थ शमनूर को प्राथमिकता दी।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या-ज़मीर अहमद की मुलाकात

हाईकमान ने पार्टी की अंदरूनी लड़ाई की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और मंत्री ज़मीर के बीच मंगलवार शहर के कावेरी निवास पर हुई बैठक ने राज्य की राजनीति में उत्सुकता बढ़ा दी है। कांग्रेस पार्टी के अंदरूनी घटनाक्रम के बैकग्राउंड में यह मीटिंग अहम हो गई है। कहा जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने बैठक में ज़मीर अहमद के खिलाफ हाईकमान लेवल पर जताई गई नाराज़गी का मुद्दा उठाया और उन्हें पार्टी के अंदर बागी गतिविधियों के बारे में चेतावनी दी। सूत्रों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने उन्हें निर्देश दिया, हाईकमान को आपके खिलाफ शिकायतें मिल रही हैं। आपको खुद इस पर सफाई देनी चाहिए।

इस पर जवाब देते हुए ज़मीर अहमद ने साफ किया कि वह पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल नहीं थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने समुदाय को टिकट देने की रिक्वेस्ट की थी और बगावत नहीं भड़काई थी। उन्होंने बताया कि वह दावणगेरे गए थे और पार्टी की तरफ से काम किया था और नेताओं को भी निर्देश दिए थे।

साथ ही, उन्होंने इस बात पर नाराज़गी जताई कि उन्हें वह ज़िम्मेदारी नहीं दी गई जिसके वे हक़दार थे, और कहा कि वे चुनाव के काम और सेहत की वजह से पार्टी से बाहर थे, जबकि कुछ नेताओं को मौका दिया गया। जमीर की सफाई सुनकर मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि वे खुद जाकर हाईकमान लेवल पर मामला साफ़ करें। बैठक के बाद दोनों का एक साथ विधान सभा जाना, इस बात को लेकर राजनीतिक गलियारों में और चर्चा का विषय बन गया है।

प्रधानमंत्री मोदी के आज कर्नाटक दौरे पर आने की उम्मीद

बेंगलूरु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 15 अप्रैल को कर्नाटक का एक दिवसीय दौरा कर सकते हैं और इस दौरान उनके मांड्या जिले में एक सरकारी कार्यक्रम में शिरकत करने की उम्मीद है। भाजपा नेताओं द्वारा यहां साझा किए गए संभावित कार्यक्रम के अनुसार, प्रधानमंत्री के सुबह 7.15 बजे भारतीय वायु सेना के बी-777 विमान से दिल्ली से रवाना होने और पूर्वाह्न 10.05 बजे बेंगलूरु के एचएएल हवाई अड्डे पर पहुंचने की संभावना है। वह कुछ ही देर में एमआई-17 हेलीकॉप्टर से मांड्या के लिए रवाना होंगे, जहां उनके पूर्वाह्न 10.50 बजे उतरने की उम्मीद है।

संभावित कार्यक्रम के मुताबिक, ''प्रधानमंत्री पूर्वाह्न 11 बजे श्री क्षेत्र आदिचुनचनगिरि पहुंचेंगे और दोपहर में श्री गुरु भैरवैक्य मंदिर के उद्घाटन में हिस्सा लेंगे।'' मांड्या हेलीपैड से प्रधानमंत्री सड़क मार्ग से कार्यक्रम स्थल श्री क्षेत्र आदिचुनचनगिरि के लिए रवाना होंगे। उद्घाटन समारोह के बाद, वे अपराह्न 12:05 बजे कार्यक्रम स्थल से प्रस्थान करेंगे और दोपहर 12:10 बजे तक मांड्या हेलीपैड लौट आएंगे। भाजपा नेताओं ने बताया कि प्रधानमंत्री के अपराह्न 12.15 बजे मांड्या से हेलीकॉप्टर से रवाना होने और अपराह्न 12.55 बजे बेंगलूरु स्थित एचएएल हवाई अड्डे पर वापस पहुंचने का कार्यक्रम है।

बचाव

बेंगलूरु में एक सड़क पर चलते समय महिलाएं तेज गर्मी से बचने के लिए छाते का इस्तेमाल करती हुई।

तमिलनाडु में अगले कुछ दिनों तक भीषण गर्मी के साथ चलेगी लू

चेन्नई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने भविष्यवाणी की है कि तमिलनाडु के आंतरिक भागों में अगले कुछ दिनों तक भीषण गर्मी का दौर जारी रहेगा, और अधिकतम तापमान कम से कम शुक्रवार तक सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की संभावना है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि गर्म और शुष्क मौसम बना रहेगा। दोपहर में कई जिलों में गर्मी से संबंधित बीमारियों और लोगों की असुविधा का खतरा बढ़ जाएगा। आईएमडी के अनुसार, आने वाले दिनों में आंतरिक क्षेत्रों में तापमान 39 से 41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है, जबकि तटीय क्षेत्रों में उच्च आर्द्रता के साथ-साथ तापमान भी अधिक रहेगा। चेन्नई और उसके उपनगरों में अधिकतम तापमान 37 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है, यहां उमस भरे मौसम के कारण तापमान रिकॉर्ड स्तर से कहीं अधिक गर्म महसूस होगा।

दावणगेरे के मुसलमानों में थी नाराजगी, लेकिन सब कांग्रेस के साथः जमीर अहमद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंबेडकर जयंती के अवसर पर बेंगलूरु में बाबासाहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण करने के बाद कैबिनेट मंत्री ज़मीर अहमद खान ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने दावणगेरे दक्षिण विधानसभा क्षेत्र के समीकरणों और मुस्लिम समुदाय की नाराजगी को लेकर खुलकर अपनी बात रखी। ज़मीर अहमद ने पूरे देश को डॉ. बी.आर. अंबेडकर की जयंती की शुभकामनाएं देते हुए कहा, यह दिन किसी उत्सव से कम नहीं है। पूरे देश में इसे एक राष्ट्रीय त्योहार की तरह धूमधाम से मनाया जाता है।

दावणगेरे दक्षिण क्षेत्र में अल्पसंख्यक समुदाय की नाराजगी की खबरों पर मुहर लगाते हुए मंत्री ने कहा यह सच है कि दावणगेरे के मुसलमानों में नाराजगी थी। यह नाराजगी मुख्य रूप से स्थानीय स्तर पर और वोटर्स के बीच थी। नाराजगी का मुख्य कारण समुदाय को टिकट न दिया जाना था। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि अंततः माइनॉरिटी समुदाय एकजुट रहा। उन्होंने कहा, नाराजगी के बावजूद उन्होंने हमारी पार्टी के उम्मीदवार को ही वोट दिया है। हमें भरोसा है कि दावणगेरे में कांग्रेस अच्छी लीड से जीत दर्ज करेगी।

पार्टी नेता जब्बार के इस्तीफे की खबरों पर ज़मीर अहमद ने कहा कि वे उस समय वहां मौजूद नहीं थे, लेकिन वे इस मुद्दे पर मुख्यमंत्री से चर्चा करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा अफवाहें हैं कि नाराजगी का असर कांग्रेस उम्मीदवार पर पड़ सकता है, लेकिन नतीजे आने में अभी 20 दिन का समय है। हमें धैर्य के साथ इंतजार करना चाहिए। मंत्री ज़मीर अहमद के इस बयान ने राजनीतिक गलियारों में हलचल पैदा कर दी है। जहाँ उन्होंने एक तरफ समुदाय की नाराजगी को स्वीकार किया, वहीं दूसरी तरफ यह भरोसा भी जताया कि चुनाव परिणामों में अल्पसंख्यक समुदाय कांग्रेस के पक्ष में ही खड़ा नजर आएगा।

'हॉरर किलिंग' : बेलगावी में युवती की हत्या की, परिवार के तीन सदस्य गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेलगावी। कर्नाटक के बेलगावी जिले में 'हॉरर किलिंग' के संदिग्ध मामले में 24 वर्षीय युवती की उसके परिजनों ने कथित तौर पर हत्या कर दी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हत्या के आरोप में युवती के भाई, चाचा और जीजा को गिरफ्तार किया गया है। जांचकर्ताओं के अनुसार, मृतका की पहचान सत्यव्वा संतोष हेलवी (24) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि हेलवी अपने पति को छोड़कर किसी अन्य व्यक्ति के साथ फरार हो गई थी।

जांचकर्ताओं के अनुसार इससे परिवार की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंचने की आशंका से नाराज़ हेलवी के परिजनों ने कथित तौर पर उसका पता लगाकर हत्या कर दी। पुलिस ने कहा कि आरोपियों ने पीड़िता को जबरन जहर पिलाया और बाद में साक्ष्य मिटाने के उद्देश्य से श्मशान घाट ले जाकर उसके शव को जला दिया।

पुलिस ने बताया कि यह घटना यमकनमार्डी थाने में दर्ज गुमशुदगी की शिकायत की जांच के दौरान सामने आई। शुरू में ठंडे बस्ते में चले गए इस मामले को बाद में इंस्पेक्टर जावेद मुशापुरे ने सघन जांच के जरिए सुलझा लिया।

अधिकारियों ने कहा कि परिजनों ने 13 मार्च को पीड़िता का पता लगा लिया था और उसे वापस लाने व अपने समुदाय में शादी करने के लिए मनाने की कोशिश की थी। जब उसने मना कर दिया, तो वे कथित तौर पर उसे एक सुनसान जगह पर ले गए और वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता तब मिली जब उसने पीड़िता की मां का विश्वास जीता और उनसे घटनाक्रम के बारे में जानकारी हासिल की। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पीड़िता के चाचा प्रकाश भीमप्पा हेलवर (46), भाई शानूर सदाशिव हेलवर (35) और जीजा मोराबाद कल्लप्पा मयप्पा हेलवी (40) के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

डॉ. अंबेडकर एक टाइमलेस लीडर हैं : बोम्मई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु: पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद बसवराज बोम्मई ने कहा कि डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर एक टाइमलेस लीडर हैं। संविधान के रचयिता डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की जयंती मंगलवार को शहर के मल्लेश्वरम में बीजेपी के प्रदेश ऑफिस जगन्नाथ भवन में रखी गई। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कुछ लीडर समय की सीमा में बंधे होते हैं। लेकिन, अंबेडकर ऐसे नहीं हैं। महान विचारक हमेशा ज़िंदा रहते हैं। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर उनमें से एक हैं। उन्होंने एनालिसिस किया कि डॉ. अंबेडकर ही वो थे जिन्हें बुद्ध की प्रेरणा और बसवन्ना की बराबरी दोनों मिलीं। उन्होंने समझाया कि बाबासाहेब अंबेडकर एक महान इंसान हैं जिन्होंने भारत को बराबरी, लोकतंत्र और व्यक्तिगत आज़ादी दी।

उन्होंने एक सबको शामिल करने वाला संविधान दिया। उन्होंने इंसानियत के आधार पर सामाजिक न्याय और आर्थिक मज़बूती देने वाला संविधान देने के लिए बाबासाहेब अंबेडकर की तारीफ़ की। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के नाम पर लगातार अन्याय करने वालों के बारे में लोगों को जागरूक करने की ज़रूरत है।

विधान परिषद में विपक्ष के नेता चलुवादी नारायणस्वामी ने बात की और सवाल किया कि क्या सिर्फ़ दलितों को ही अंबेडकर का जन्मदिन मनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हम अंबेडकर को अपनी पहचान के तौर पर मनाते हैं। हमारी रोशनी; हमारे लिए एक रोशनी। उन्होंने समझाया कि बाबा साहेब का सम्मान करने में भाजपा सबसे आगे है।

उन्होंने कहा कि 'भाजपा आरक्षण के ख़िलाफ़ है'; वह आरक्षण हटा देगी यह गलत जानकारी फैलाई जाती है। अगर आरक्षण खत्म करना ही था, तो हमें इतना इंतज़ार क्यों करना पड़ा।

पूर्व उपमुख्यमंत्री और सांसद गोविंद कारजोल, विधान परिषद में विपक्ष के चीफ़ व्हिप एन. रविकुमार, विधायक और एससी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सीमेंट मंजूनाथ, राज्य सचिव लक्ष्मी अश्विन गौड़ा, विधान परिषद के पूर्व सदस्य महंतेश कवतागीमठ, डॉ. बी.आर. अंबेडकर जयंती पर नेशनल कमेटी के सदस्य जगदीश हिरेमानी, बेंगलूरु सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट के प्रेसिडेंट सप्तगिरी गौड़ा, एससी मोर्चा के राज्य उपाध्यक्ष हुडी मंजूनाथ, पूर्व राज्य सचिव श्यामला कुंदर और पार्टी के नेता मौजूद थे।

बेरोजगार युवाओं की गिरफ्तारी सरकार की 'निरंकुशता' का प्रतीक : एन. रवि कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने धारवाड़ में विरोध प्रदर्शन कर रहे बेरोजगार युवाओं की गिरफ्तारी की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने सरकार की इस कार्रवाई को अलोकतांत्रिक और निरंकुश करार देते हुए चेतावनी दी है कि यदि युवाओं को तत्काल रिहा नहीं किया गया, तो भाजपा राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ेगी।

मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान रवि कुमार ने सरकार से मांग की है कि गिरफ्तार किए गए युवाओं को तुरंत और बिना किसी शर्त के रिहा किया जाए। सरकारी विभागों में खाली पड़े पदों को भरने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने 56,000 पदों को भरने का वादा किया था, जिसे अब तक पूरा नहीं किया गया है।

उन्होंने कहा कि सरकार के पास युवाओं को रोजगार देने की न तो इच्छाशक्ति है और न ही ईमानदारी। अपनी विफलता को छिपाने के लिए शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे युवाओं को गिरफ्तार करना शर्मनाक है। रवि कुमार ने आंकड़ों के जरिए सरकार को घेरते हुए कहा कि राज्य में कुल 2.84 लाख पद खाली पड़े हैं। मुख्यमंत्री द्वारा घोषित 56,000 पदों पर भी अब तक कोई प्रगति नहीं हुई है, जो राज्य के युवाओं के साथ सरासर धोखा है। विपक्ष के मुख्य सचेतक ने स्पष्ट किया कि यदि सरकार ने अपनी अलोकतांत्रिक मंशा नहीं बदली और युवाओं की जायज मांगों को अनसुना किया, तो उन्हें जनता के भारी आक्रोश का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा युवाओं के इस संघर्ष में उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने की नगरीय क्षेत्रों में 200 अंबेडकर ई-लाइब्रेरी स्थापित करने की घोषणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार पिछड़े, वंचित एवं अंतिम पंक्ति के व्यक्ति तक विकास का उजियारा पहुंचाने एवं जीवन स्तर सुधारने के लिए प्रतिबद्ध है। डबल इंजन सरकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के सामाजिक न्याय के आदर्शों पर चलते हुए सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास का मंत्र पर काम कर रही है। हमारी सरकार बाबा साहेब के सपनों को पूरा करते हुए समाज के सभी वर्गों को सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक रूप से सशक्त एवं सक्षम करने का कार्य कर रही है। उन्होंने युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि बाबा साहेब के सिद्धांतों और आदर्शों को आत्मसात करते हुए राष्ट्र विकास में योगदान दें।

शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बाबा साहेब की शिक्षा और दृष्टिकोण हमारी डबल इंजन सरकार की कार्यप्रणाली की बुनियाद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में स्वच्छ भारत मिशन, उज्ज्वला योजना, पीएम आवास योजना एवं आयुष्मान भारत जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं का सबसे ज्यादा लाभ हमारे पिछड़े और वंचित वर्गों को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने पेंशन एवं पालनहार योजना के लाभार्थियों को डीबीटी के माध्यम से 1 हजार 363 करोड़ रुपये का राशि हस्तांतरित की। उन्होंने 10 छात्रावास भवनों का लोकार्पण, 17 भवनों का शिलान्यास करने के साथ ही जामडोली स्थित स्वयंसिद्धा परिसर में लाइब्रेरी का वर्चुअल उद्घाटन किया। साथ ही, एआई आधारित 'हैल्प डेस्क समाधान साथी' का शुभारंभ भी किया। उन्होंने विशेष योग्यजनों को सहायक उपकरण एवं कन्यादान योजना के लाभार्थियों को राशि का वितरण किया। समारोह में मुख्यमंत्री अनुप्रति कोचिंग योजना के मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने नगरीय क्षेत्रों में 200 अंबेडकर ई–लाइब्रेरी स्थापित करने एवं अंबेडकर पीठ, मूंडला, जयपुर में अंबेडकर आवासीय कोचिंग केन्द्र की स्थापना की घोषणा भी की।

शर्मा ने कहा कि हमारी सरकार में अनुसूचित जाति और जनजाति अत्याचार के प्रकरणों में 28 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। वहीं, शिक्षा के लिए अनुसूचित जाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत 292 करोड़ रुपये व्यय कर 3 लाख 75 हजार विद्यार्थियों को सहायता प्रदान की गई है। अनुसूचित जनजाति उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 534 करोड़ खर्च कर 3 लाख 21 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया गया है। इसी प्रकार अति पिछड़ा वर्ग उत्तर मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत 1 लाख 62 हजार विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर राजस्थान दलित–आदिवासी उद्यम प्रोत्साहन योजना में ढाई हजार से अधिक लाभार्थियों को ऋण वितरित कर लाभान्वित किया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की संवेदनशील सरकार ने अंत्योदय की भावना के साथ सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन में मिसाल कायम की है। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान में हमारा राज्य देश भर में अग्रणी हैं। पीएम–जनमन योजना के तहत बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने में हम पूरे देश में अव्वल हैं। हमने सामाजिक सुरक्षा पेंशन राशि को बढ़ाकर 1 हजार 450 रुपये कर दिया है। हमारी सरकार में पारदर्शिता के कारण सभी भर्ती परीक्षाएं समय से आयोजित हो रही हैं और इससे बड़ी संख्या में आरक्षित वर्ग के युवाओं को लाभ भी मिल रहा है।

निजी चिकित्सकों की एक दिवसीय हड़ताल के कारण राजस्थान में स्वास्थ्य सेवाएं बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में एक अस्पताल निदेशक की गिरफ्तारी के विरोध में चिकित्सकों की एक दिवसीय हड़ताल के कारण मंगलवार को राजस्थान के निजी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं प्रभावित रहीं। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की राजस्थान इकाई के आह्वान पर निजी अस्पताल और नर्सिंग होम मंगलवार सुबह आठ बजे से बुधवार सुबह आठ बजे तक हड़ताल पर हैं। जयपुर में निजी अस्पताल बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सेवाओं के लिए सुबह से ही बंद हैं। हालांकि, पहले से भर्ती मरीजों का इलाज जारी रहा। राज्य के निजी अस्पतालों में हड़ताल का असर साफ दिखाई दिया। कुछ अस्पतालों ने आपातकालीन सेवाएं भी निलंबित कर दीं। हड़ताल को देखते हुए प्राधिकारियों ने सरकारी अस्पतालों में व्यवस्थाएं मजबूत कर दीं। कई अस्पतालों में दिनभर के लिए ओपीडी सेवाएं निलंबित रहने की मरीजों को जानकारी देने वाले नोटिस लगाए गए। अस्पताल पहुंचे कुछ मरीजों को पूछताछ करते और फिर सरकारी अस्पतालों की ओर जाते देखा गया।

'प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन' के अध्यक्ष डॉ विजय कपूर ने कहा, यह प्रतीकात्मक हड़ताल है, आगे और आंदोलन हो सकता है। आईएमए और 'प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन' ने आपात बैठक कर 24 घंटे के लिए सेवाएं निलंबित करने का निर्णय लिया था। यह निर्णय जयपुर में एक निजी अस्पताल निदेशक डॉ. सोनदेव बंसल की गिरफ्तारी के विरोध में लिया गया। पुलिस ने उन्हें कथित धोखाधड़ी मामले में जयपुर से गिरफ्तार किया था।

निजी अस्पतालों ने राजस्थान सरकार स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) को भी अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया है। हड़ताल कर रहे चिकित्सकों ने राज्य सरकार से इस योजना के तहत बकाया भुगतान जारी करने की मांग की है। डॉ. कपूर ने बताया कि राज्य में लगभग 3,000 निजी अस्पताल और नर्सिंग होम हैं।

राजस्थान में भाजपा सरकार पंचायत चुनावों में देरी कर रही : सचिन पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन पायलट ने राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली सरकार पर राज्य में पंचायत चुनावों के आयोजन में जानबूझकर देरी करने का मंगलवार को आरोप लगाया। पायलट ने संवाददाताओं से बातचीत में स्थानीय निकाय चुनावों में देरी पर चिंता जताते हुए कहा कि सरकार अदालत के निर्देशों के बावजूद चुनाव टालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, सत्तारूढ़ पार्टी को हार का डर है, इसलिए वह जानबूझकर स्थानीय निकाय चुनावों में देरी कर रही है।

पायलट ने आरोप लगाया कि सरकार को न तो अदालत के निर्देशों की परवाह है और न ही राज्य की जनता की। उन्होंने कहा, उच्च न्यायालय ने 15 अप्रैल की समयसीमा दी थी, इसके बावजूद चुनावों को किसी न किसी बहाने टालने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस नेता ने कहा कि महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत ग्रामीण रोजगार कार्य ठप हो गए हैं, जिससे लोगों को परेशानी हो रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं को आरक्षण दिलाने के लिए प्रतिबद्ध रही है और पार्टी ने केंद्र में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के दौरान सोनिया गांधी की अगुवाई में एक विधेयक पेश किया था। पायलट ने कहा कि पार्टी महिलाओं को आरक्षण देने के कदम का समर्थन करती है, लेकिन यह भी जरूरी है कि उचित प्रक्रिया का पालन किया जाए।

कांग्रेस नेता ने राजस्थान में कानून–व्यवस्था की स्थिति को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार कानून–व्यवस्था और जनकल्याण पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही है।

उर्वरकों के अवैध भण्डारण, डायवर्जन, कालाबाजारी रोकने हेतु विभाग द्वारा सख्ती से की जा रही कार्यवाही : किरोड़ी लाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार और कृषि विभाग द्वारा खरीफ 2026 में मांग अनुसार उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। उर्वरकों की कालाबाजारी, डायवर्जन व जमाखोरी को रोकने के लिए कृषि विभाग के अधिकारियों द्वारा प्रदेश भर में जिला, उपखण्ड एवं ग्राम पंचायत स्तर पर उर्वरक विक्रेताओं, यूरिया के गैर कृषि कार्य में उपयोग करने वाली उत्पादन ईकाईयों यथा प्लाईवुड, रेजिन, डेफ, पशु आहार के परिसरों में सघन निरीक्षण किया जा रहा है एवं अनियमितता पाये जाने पर कठोर कार्यवाही की जा रही है।

कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल ने बताया कि राज्य में 13 अप्रेल 2026 को सहकारी व निजी क्षेत्र में 3 लाख 84 हजार मीट्रिक टन यूरिया, 71 हजार मीट्रिक टन डीएपी, 67 हजार मैट्रिक टन एनपीके एवं 2 लाख 13 हजार मीट्रिक टन एसएसपी उर्वरकों का स्टॉक उपलब्ध है व आपूर्ति निरन्तर जारी है। कृषि मंत्री ने बताया कि किसानों को किसी भी प्रकार से चिंतित होने की आवश्यकता नही है, राज्य सरकार द्वारा उर्वरकों की उपलब्धता में कोई कमी नही आने दी जायेगी। विगत वर्षो व अन्य राज्यों की तुलना में इस वर्ष अधिक मात्रा में समस्त प्रकार के उर्वरकों की उपलब्धता है।

उन्होंने कहा कि विभाग द्वारा यूरिया के डायवर्जन, काला बाजारी एवं जमाखोरी को रोकने हेतु गुण नियंत्रण अभियान 29 मार्च से चलाया जा रहा है तथा दिनांक 11 अप्रेल से विशेष अभियान चलाया जाकर पूरे प्रदेश में उर्वरकों के विक्रय, अवैध भण्डारण, कालाबाजारी व अनुदानित यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिये औचक निरीक्षण कर छापेमारी की कार्यवाही की गई है।

आयुक्त कृषि श्री नरेश कुमार गोयल के नेतृत्व में 11 अप्रेल को उर्वरक विक्रेताओं व कालाडेरा औद्योगिक क्षेत्र में संचालित प्लाईवुड निर्माण ईकाईयों पर यूरिया के दुरुपयोग की आशंका के मध्यनजर छापेमारी की गई। विभाग द्वारा उक्त अवधि में 2793 निरीक्षण कर अनियमितता करने वाले विक्रेताओं के विरुद्व 437 उर्वरक विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किये, 23 विक्रेताओं के उर्वरक विक्रय पर रोक लगाई गई, 38 उर्वरक विक्रय प्राधिकार पत्र निलम्बित किये जाकर एफआईआर हेतु 1 शिकायत दर्ज कराई गई है एवं उर्वरक निरीक्षकों द्वारा निरन्तर कार्यवाही जारी है।

प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी श्रीमती मंजू राजपाल द्वारा कृषकों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड में अंकित सिफारिश के अनुसार ही उर्वरकों के उपयोग हेतु प्रेरित करने, हरी खाद का उपयोग करने, जैविक खेती व प्राकृतिक खेती को बढावा देने तथा उर्वरकों का समान रूप से पारदर्शिता के साथ वितरण कराने और उर्वरक वितरण में अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं, जमाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु समस्त जिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है।

आयुक्त कृषि ने बताया कि समय–समय पर विशेष अभियान चलाये जाकर उर्वरक वितरण में जमाखोरी, कालाबाजारी, यूरिया डायवर्जन सहित अन्य अनियमितता बरतने वाले विक्रेताओं के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त कृषि द्वारा राज्य के किसानों को सलाह दी गई है कि फसलों की बुवाई के समय ही मांग अनुसार उर्वरकों का क्रय करें, साथ ही रासायनिक उर्वरकों का उपयोग कम करते हुये अन्य वैकल्पिक उर्वरकों के उपयोग को बढावा दिया जावे।

भजनलाल ने संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को जयपुर में संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के मौके पर अंबेडकर सर्किल स्थित बाबा साहेब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने बाबा साहेब को सामाजिक न्याय, भेदभाव उन्मूलन और वंचितों, महिलाओं सहित समाज के सभी वर्गों के लिए बराबरी के अधिकारों का अग्रदूत बताते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा, शिक्षा मंत्री श्री मदन दिलावर, विधि एवं न्याय मंत्री श्री जोगाराम पटेल, मुख्य सचेतक श्री जोगेश्वर गर्ग, सांसद श्रीमती मंजू शर्मा, विधायक श्री गोपाल शर्मा, श्री बालमुकुंदाचार्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री निवास पर भी बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

सरकार पंचायत और शहरी निकाय चुनाव कराने में विफल, राष्ट्रपति और राज्यपाल करें हस्तक्षेप : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि राज्य सरकार पंचायत और शहरी निकाय चुनाव कराने में विफल रही है, इसलिए राष्ट्रपति और राज्यपाल को हस्तक्षेप करना चाहिए। सिविल लाइंस स्थित अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत में गहलोत ने यह बात कही। उन्होंने कहा, डॉ. भीमराव आंबेडकर का संविधान निर्माण में योगदान इतिहास में दर्ज है। जो लोग कभी आंबेडकर के सिद्धांतों में विश्वास नहीं करते थे, वे आज सत्ता में हैं और उनकी जयंती मना रहे हैं। उन्हें संविधान पर कोई आस्था नहीं है और वे उसे तार–तार कर रहे हैं।गहलोत ने कहा, पंचायत और नगर निकाय चुनाव नहीं कराए जा रहे हैं। अगर वास्तव में संविधान में विश्वास होता तो चुनाव समय पर होते।

निजी बस और रसायन ले जा रहे ट्रक की टक्कर, तीन की मौत

जयपुर। राजस्थान के अलवर जिले में दिल्लीमुंबई एक्सप्रेसवे पर मंगलवार को एक निजी बस और रसायन लेकर जा रहे ट्रक की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से अधिक यात्री घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। यह हादसा रैणी थाना क्षेत्र के पिनान के पास हुआ। थाना प्रभारी बनाय सिंह ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक, एक महिला और एक बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। 30 से अधिक यात्री घायल हुए हैं। मृतकों की पहचान की जा रही है। उन्होंने बताया कि बस इंदौर से दिल्ली जा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। सूचना मिलते ही राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की टीमें मौके पर पहुंचीं और एंबुलेंस की मदद से घायलों को पिनान सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया।

असंगत कारणों का हवाला देकर चुनाव टालने में जुटी राजस्थान की भाजपा सरकार : डोटासरा

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने सोमवार को आरोप लगाया कि भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार असंगत कारणों का हवाला देकर स्थानीय निकाय चुनावों में देरी करने और अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी से बचने की कोशिश कर रही है। डोटासरा ने कहा कि राज्य सरकार ने चुनाव स्थगित करने के लिए आठ कारणों का हवाला देते हुए आज उच्च न्यायालय में जो याचिका दायर की है, वह पूरी तरह से अव्यवहारिक है और केवल जवाबदेही से बचने का बहाना है। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय ने शहरी निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के चुनाव 15 अप्रैल तक कराने की समयसीमा तय की थी, लेकिन सरकार इस समयसीमा को पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है।

बाबा साहेब भारतीय संस्कृति में रचे बसे-मूल्यों से जुड़े महामना थे : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर व्यक्ति नहीं अपने आप में संस्था थे। उन्होंने देश को सामाजिक समरसता का मंत्र ही नहीं दिया बल्कि राष्ट्र सर्वोच्च है, यह दृष्टि भी दी। वह संविधान और भारतीय संस्कृति में रचे–बसे मूल्यों से जुड़े महामना थे। उन्होंने कहा कि महामना वह होता है जो मनुष्य जैसा ही होते हुए भी अपने विचारों से और कर्म से जीते जी महानतम विचारों का आलोक देता है।

राज्यपाल बागड़े डॉ. अम्बेडकर की 135 वीं जयंती पर आयोजित समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अपने अध्ययन का बहुत सारा समय डॉ. अम्बेडकर ने देश–दुनिया के कानूनों को जानने और समझने में ही व्यतीत किया था। इसी से विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का महान संविधान हमें तैयार कर उन्होंने दिया।

बागड़े ने कहा कि बाबा साहेब ने अपना पूरा जीवन वंचित वर्ग के कल्याण को समर्पित किया था। बॉम्बे विधानसभा में वर्ष 1938 में उन्होंने कहा था, ''मैं चाहता हूं कि समस्त लोग पहले भारतीय हों, और अंततः भारतीय हों तथा भारतीय के सिवाय और कुछ भी नहीं हों।'' राज्यपाल ने कहा कि बाबा साहेब ने राष्ट्र प्रथम की सोच हमें दी और कहा था कि राष्ट्र के हितों को सदा अग्रणी रखें। डॉ. अम्बेडकर के विचार वास्तविक रूप में उस राष्ट्रवाद से ही जुड़े हैं जिनमें व्यक्ति और व्यक्तियों के बीच जातियों, वर्णों, वर्गों, धर्मों में किसी तरह का कोई भेद नहीं है। उन्होंने शिक्षा और जागरूकता के लिए सदा काम किया।

डॉ. अम्बेडकर ने 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' का नारा दिया। बागड़े ने बाबा साहेब अम्बेडकर के विचारों को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि वह युगपुरूष थे। उन्होंने डॉ. अम्बेडकर द्वारा देश में रोजगार केंद्रों की स्थापना, दामोदर घाटी परियोजना, हीराकुंड परियोजना तथा सोन परियोजना आदि की स्थापना में रही महत्वपूर्ण भूमिका को स्मरण करते हुए उनकी उदात्त दृष्टि से सीख लेने का आह्वान किया।

संविधान विरोधी भाजपा सरकार में लोकतंत्र खतरे में, बाबासाहेब के आदर्शों पर हो रहे प्रहार : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने मंगलवार को संविधान शिल्पी, भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जयपुर स्थित अंबेडकर सर्किल पहुंचकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पत्रकारों से वार्ता करते हुए जूली ने प्रदेश की वर्तमान भाजपा सरकार पर संविधान की अवहेलना और लोकतांत्रिक संस्थाओं के दुरुपयोग का गंभीर आरोप लगाया। श्रद्धांजलि अर्पित करने के पश्चात जूली ने कहा कि बाबासाहेब ने देश को विश्व का सबसे खूबसूरत और मजबूत संविधान दिया है, जिसकी बदौलत आज हमारा लोकतंत्र जीवित है। उन्होंने बाबा साहेब के संघर्षों को याद करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर ने दलितों, पिछड़ों और महिलाओं को मुख्यधारा में लाने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने तुलना करते हुए बताया कि अमेरिका जैसे विकसित देश में महिलाओं को समानता का अधिकार पाने में 100 साल लग गए, जबकि भारत में संविधान लागू होते ही महिलाओं को कानूनन बराबरी का हक मिला।

राजस्थान की स्थिति को विकट बताते हुए जूली ने कहा कि प्रदेश में पंचायती राज और नगर निकाय के चुनाव समय पर नहीं कराना सीधे तौर पर संविधान पर हमला है। उन्होंने कहा कि सरकार संविधान में लिखित प्रावधानों को मानने को तैयार नहीं है।

राज्य सरकार अग्निशमन सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं आधुनिक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत : झाबर सिंह खर्रा

जयपुर/दक्षिण भारत। नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने राष्ट्रीय अग्निशमन सेवा दिवस के अवसर पर प्रदेश के समस्त अग्निशमन कर्मियों को हार्दिक शुभकामनाएं एवं अभिनंदन प्रेषित किया है। खर्रा ने अपने संदेश में कहा कि यह दिवस उन वीर अग्निशमन जवानों के अदम्य साहस, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में अपने प्राणों की परवाह किए बिना जन–जीवन एवं संपत्ति की रक्षा में तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि अग्निशमन सेवा केवल एक विभाग नहीं, बल्कि सुरक्षा, सेवा और संवेदनशीलता का सशक्त माध्यम है।उन्होंने कहा कि आपदा या संकट की घड़ी में अग्निशमन कर्मी बिना किसी भय के अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं। उनका अनुशासन, तत्परता और मानवीय दृष्टिकोण समाज के लिए प्रेरणास्रोत है। नगरीय विकास मंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वे अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें, आवश्यक सावधानियों का पालन करें तथा किसी भी आपात स्थिति में संयम एवं सहयोग का परिचय दें। उन्होंने कहा कि छोटी–छोटी सतर्कताएं बड़े हादसों को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं के प्रतिनिधित्व की दिशा में ऐतिहासिक कदम : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' को विधायी निकायों में महिलाओं का अधिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने और देश के लोकतांत्रिक ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम करार दिया।

केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण के प्रावधान वाला यह अधिनियम केवल महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए नहीं है, बल्कि फैसले लेने में उनकी अधिक भूमिका का विस्तार करने के लिए भी है। खडसे ने कहा कि सरकार इस अधिनियम को जल्द से जल्द लागू करने की दिशा में काम कर रही है, जिसके लिए 16 से 18 अप्रैल तक संसद की बैठक बुलाई गई है। उन्होंने कहा, यह भारत के लोकतंत्र में लिए गए सबसे ऐतिहासिक फैसलों में से एक है, जिसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी सरकार के नेतृत्व

में देश की सभी महिलाओं के लिए एक निर्णायक कदम के रूप में उठाया गया है। खडसे ने कहा, आज महिलाएं लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में खुद अपना प्रतिनिधित्व कर रही हैं। इस अधिनियम के तहत लोकसभा और विधानसभाओं की 33 फीसदी सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हो जाएंगी। यह अधिनियम केवल सीटों की संख्या बढ़ाने के बारे में नहीं है, बल्कि फैसले लेने की प्रक्रिया में महिलाओं की मजबूत भूमिका सुनिश्चित करने के बारे में भी है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की नींव 2014 में रखी गई थी, जब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। खडसे ने कहा, हालांकि, इस फैसले को अब लागू किया जा रहा है, लेकिन इसकी नींव 2014 में रखी गई थी, जब प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से महिलाओं से संबंधित मुद्दों को संबोधित करना शुरू किया था, जिसके बाद कई पहलों की शुरुआत की गई। उन्होंने कहा कि मतदान प्रतिशत में महिलाओं की हिस्सेदारी पहले से ही लगभग 50 फीसदी है और उनकी भागीदारी लगातार बढ़ रही है। खडसे ने कहा, जब हम एक विकसित भारत की बात करते हैं, तो नीति निर्माण में महिलाओं की बहुत अहम भूमिका होगी। चुनावों में महिलाओं का मतदान प्रतिशत पहले से ही 50% है और हाल के वर्षों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट के चयन पर प्रशांत किशोर का तंज, कहा- अब बिहार गुजरात से संचालित होगा

पटना/भाषा। बिहार में नए मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर ने भाजपा पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मंगलवार को कहा कि अब बिहार ''गुजरात से संचालित होगा।''किशोर ने एक बयान जारी कर कहा, ''ज्ञान की भूमि बिहार को 'चाल, चरित्र और चेहरा' का दावा करने वाली भाजपा की यह पहली सौगात है कि ऐसे व्यक्ति को मुख्यमंत्री बनाया गया है, जिसका चाल, चरित्र और चेहरा तीनों ही चर्चा का विषय होना चाहिए।''

उन्होंने आरोप लगाया कि अब राज्य को बाहरी प्रभाव से संचालित किया जाएगा। किशोर ने कहा, ''यह नई भाजपा है, जिसने दिखा दिया है कि अब बिहार को गुजरात से चलाया जाएगा।'' सम्राट चौधरी का नाम लिए बिना तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि यहां व्यक्ति नहीं, बल्कि नियंत्रण महत्वपूर्ण होगा। किशोर ने कहा, ''यहां मुख्यमंत्री बने हैं, व्यक्ति की बात नहीं है। उनकी चाबी या नियंत्रण अमित शाह के पास होगा।'' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा की प्राथमिकता ऐसी स्थिति बनाए रखना है, जिसमें बिहार के युवाओं को कम वेतन पर काम करने के लिए अन्य राज्यों, विशेषकर गुजरात जाना पड़े। आने वाले समय में गुजरात के लोग उद्योगों के मालिक होंगे, जबकि बिहार के लोग वहीं मजदूर बने रहेंगे।

बिहार: राजग विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी ने सरकार गठन का दावा पेश किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार में मंगलवार को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के विधायक दल के नेता चुने गए सम्राट चौधरी ने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया।

चौधरी राजग नेताओं के साथ राजभवन पहुंचे, जहां उन्होंने राज्यपाल सैयद अता हुसैन के समक्ष औपचारिक रूप से सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया।

इस दौरान उनके साथ केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, नित्यानंद राय, ललन सिंह और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बिहार प्रभारी विनोद तावड़े, जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा, मंत्री विजय चौधरी, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा तथा हिंदुस्तान अवाम मोर्चा (हम) के संतोष सुमन समेत कई नेता मौजूद थे। राजभवन में सरकार गठन से संबंधित आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की गईं, जिसके साथ ही नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई।

सूत्रों के अनुसार चौधरी 15 अप्रैल को पूर्वाह्न लगभग 11 बजे मुख्यमंत्री पद की शपथ ले सकते हैं। हालांकि, इसकी औपचारिक घोषणा होनी अभी बाकी है, लेकिन तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं।

तार्किक विसंगति निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत मान्य नहीं : ममता बनर्जी का आरोप

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत प्रयुक्त तार्किक विसंगति निर्वाचन आयोग के प्रारूप के तहत आधिकारिक रूप से मान्य नहीं है और इसका इस्तेमाल बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा ढंग से भाजपा को लाभ पहुंचाने के लिए किया गया है। पश्चिम मेदिनीपुर के पिंगला, पूर्व मेदिनीपुर के तमलुक और हावड़ा के डोमजूर में जनसभाओं को संबोधित करते हुए बनर्जी ने महिलाओं से अपील की कि यदि लोगों को मतदान से रोकने की कोशिश की जाए तो वे डटकर मुकाबला करें। उन्होंने हालांकि यह भी स्पष्ट किया कि वह किसी प्रकार की हिंसा के लिए नहीं कह रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा, ''निर्वाचन आयोग के ढांचे में तार्किक विसंगति' जैसा कोई आधिकारिक शब्द नहीं है। इसे बिहार के विपरीत पश्चिम बंगाल में चुनिंदा तरीके से लागू किया जा रहा है ताकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाया जा सके।'' उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, मैंने ऐसी 'ओछी पार्टी' कभी नहीं देखी। बनर्जी ने कहा, '' केंद्रीय बलों का काम शांति बनाए रखना है, हमें इससे कोई आपत्ति नहीं है। लेकिन अगर वे लोगों को वोट डालने से रोकेंगे तो क्या होगा? मैं महिलाओं से अनुरोध करूंगी कि वे अपने हाथों में झाड़ू रखें और बूट पहने एवं हथियार लिए लोगों के खिलाफ मजबूती से खड़ी हों। मैं किसी को हमला करने या दंगा भड़काने के लिए नहीं कह रही, लेकिन अपने अधिकारों की रक्षा के लिए आपको हर संभव प्रयास करना होगा। मैंने आपके अधिकारों की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय तक में याचिका दायर की, और उसके बाद ही 32 लाख मतदाताओं के नाम दर्ज किए गए।''

बंगाल को विभाजित किये बिना गोरखा समस्या का संवैधानिक रूप से समाधान करेंगे : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गंगारामपुर/मानिकचक (पश्चिम बंगाल)/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पश्चिम बंगाल की सत्ता में आती है तो दार्जिलिंग पहाड़ियों में निवास करने वाले गोरखा समुदाय के मुद्दे का वह राज्य का विभाजन किए बिना संवैधानिक तरीके से समाधान करेगी। दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शाह ने भाजपा के चुनाव घोषणापत्र में उत्तर बंगाल के लिए घोषित विकास परियोजनाओं का उल्लेख किया।

केंद्रीय गृहमंत्री ने कहा, ''मैं दार्जिलिंग के अपने गोरखा भाइयों से कहना चाहता हूं कि सत्ता में आने पर भाजपा न केवल पहाड़ियों में एक पर्यावरण-अनुकूल रोमांचक खेल केंद्र विकसित करेगी, बल्कि राज्य को विभाजित किए बिना संवैधानिक तरीके से गोरखा मुद्दे का समाधान भी करेगी।'' दार्जिलिंग की पहाड़ियों में रहने वाले

नेपाली भाषी लोग करीब एक सदी से गोरखालैंड नाम से अलग प्रदेश की मांग की रहे हैं और कई बार उनका आंदोलन हिंसक रूप ले चुका है।

दार्जिलिंग के ऊपरी इलाकों और तराई के कुछ हिस्सों के प्रशासन के लिए 2011 में अर्ध-स्वायत्त गोरखालैंड क्षेत्रीय प्रशासन (जीटीए) के गठन के बावजूद, 2017 तक हिंसक आंदोलन होते रहे। इस क्षेत्र में गोरखा जनमुक्ति मोर्चा (जीजेएम) और गोरखा राष्ट्रीय मुक्ति मोर्चा (जीएनएलएफ) जैसी स्थानीय गोरखा पार्टियों और भाजपा तथा तृणमूल कांग्रेस जैसे बड़े दलों के बीच राजनीतिक साझेदारी को लेकर कई उतार-चढ़ाव देखने को मिले हैं। इस इलाके में अलग गोरखालैंड की मांग हमेशा से राजनीति के केंद्र में रही है। इस महीने होने वाले विधानसभा चुनाप में तृणमूल कांग्रेस ने बिमल गुरुंग नीत जीजेएम से अलग हुए गुट, अनित थापा के नेतृत्व वाले भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा (बीजेएम) के साथ गठबंधन किया है और दार्जिलिंग, कलिम्पोंग और कुर्सियोंग की सीटें अपने सहयोगी दल के लिए छोड़ दी हैं। दूसरी ओर, भाजपा ने एक बार फिर अपने पूर्व सहयोगी गुरुंग का समर्थन प्राप्त किया है। हालांकि इस बार वह इस क्षेत्र से सीधे चुनाव लड़ रही है।

इस्तीफे के बाद नीतीश ने राज्य के लोगों का आभार जताया

नई सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया

पटना/भाषा। बिहार के निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपने के बाद राज्य के लोगों का आभार जताया और नई सरकार को पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

कुमार ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखे संदेश में कहा, ''आप जानते हैं कि 24 नवंबर 2005 को राज्य में पहली बार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार बनी थी। तब से राज्य में कानून का राज है और हम लगातार विकास के काम में लगे हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''सरकार ने शुरू से ही सभी तबकों का विकास किया है चाहे हिंदू हो, मुस्लिम हो, 'अपर कास्ट' हो, पिछड़ा हो,

अति पिछड़ा हो, दलित हो, महादलित हो- सभी के लिए काम किया गया है। हर क्षेत्र में काम हुआ है चाहे शिक्षा हो, स्वास्थ्य हो, सड़क हो, बिजली हो, कृषि हो। महिलाओं एवं युवाओं के लिए भी बहुत काम किया गया है।'' जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा, ''इन दिनों काम को और आगे बढ़ाया गया है। अगले पांच वर्षों यानी 2025 से 2030 के लिए सात निश्चय-3 का गठन किया गया है। इससे और ज्यादा काम होगा जिससे बिहार काफी आगे बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा, ''बिहार के विकास में केन्द्र का भी पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का नमन करते हैं। बिहार और तेजी से विकसित होगा और देश के शीर्ष राज्यों में शामिल हो जाएगा तथा देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देगा।'' नीतीश ने कहा, हमने बिहार के लोगों के लिए बहुत काम किया है। इतने दिनों से हमने लगातार लोगों की सेवा की है। हमने तय किया कि अब मुख्यमंत्री का पद छोड़ देंगे और इसलिए आज मंत्रिमंडल की बैठक के बाद माननीय राज्यपाल से मिलकर उन्हें इस्तीफा सौंप दिया।''

सरकारी आवासीय स्कूल में खाना खाने के बाद 100 से अधिक छात्र बीमार पड़े, एक की मौत

बारिपदा (ओडिशा)/भाषा। ओडिशा के मयूरभंज जिले में सरकार द्वारा संचालित आदिवासी आवासीय स्कूल में भोजन करने के दो दिन बाद मंगलवार को कक्षा पांचवीं की एक छात्रा की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, छात्रा के 100 से अधिक सहपाठी भी खाना खाने के बाद बीमार पड़ गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, काकबंधा आश्रम स्कूल के छात्रों ने रविवार सुबह अधिकृत मेन्यू में शामिल नहीं किए गए खाद्य पदार्थ के सेवन के बाद असहजता की शिकायत की और वे बीमार पड़ गए। प्रभावित छात्रों के अभिभावकों ने दावा किया कि बच्चों ने खमीरी चावल (पखाला), मसले हुए आलू और आम की चटनी खाई थी, जिसके बाद उन्हें दस्त और उल्टी होने लगी। अधिकारियों ने बताया कि 100 से अधिक छात्र बीमार पड़ गए और उन्हें स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से 67 छात्रों को गंभीर हालत में बारिपदा स्थित पीएमआर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। मयूरभंज जिले की कलेक्टर हेमा कांता साय ने बताया, पांचवीं कक्षा की छात्रा रूपाली बेसरा को सोमवार को अस्पताल के गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था। चिकित्सा सहायता के बावजूद मंगलवार सुबह उसकी मृत्यु हो गई।

पश्चिम बंगाल में भय का माहौल, हत्याएं, बलात्कार, दंगे व राजनीतिक हिंसा चरम पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भय का माहौल है, जहां हत्या, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा की घटनाएं चरम पर पहुंच गई हैं। मोदी ने कहा कि पश्चिम बंगाल में लोगों के बीच भाजपा को लेकर ऊर्जा और उत्साह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मोदी ने 'मेरा बूथ, सबसे मजबूत' कार्यक्रम के तहत भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पश्चिम बंगाल के कार्यकर्ताओं से डिजिटल माध्यम से संवाद करते हुए कहा कि राज्य के लोग वाम मोर्चा के शासन में हुए अत्याचारों से मुक्ति पाने के लिए तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) को सत्ता में लाए थे, लेकिन ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार अपनी पूर्ववर्ती सरकारों से भी आगे निकल गई है। मोदी ने कहा कि उन्हें पूरे पश्चिम बंगाल में भय का माहौल दिखाई दे रहा है, जहां युवा नौकरी को लेकर चिंतित हैं, आलू किसान टीएमसी के सिंडिकेट से डरते हैं और सरकारी कर्मचारियों को अपने अधिकार पाने के लिए अदालत का सहारा लेना पड़ता है। उन्होंने कहा, बंगाल में भय का वातावरण है। हत्याएं, बलात्कार, दंगे और राजनीतिक हिंसा अपने चरम पर हैं। हर कोई बहुत परेशान

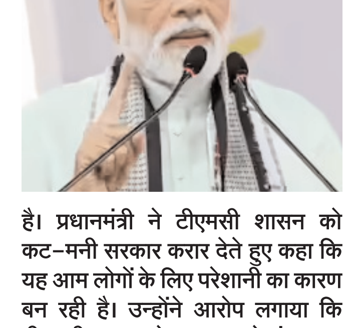

है। प्रधानमंत्री ने टीएमसी शासन को कट-मनी सरकार करार देते हुए कहा कि यह आम लोगों के लिए परेशानी का कारण बन रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि टीएमसी सरकार ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दे दिया है। मोदी ने यह दावा भी किया कि घुसपैठियों के कारण पश्चिम बंगाल के लोगों में बड़ी चिंता है। उन्होंने कहा, कई क्षेत्रों में वे जनसांख्यिकी के लिए खतरा बन गए हैं। मोदी ने कहा कि पिछले कुछ दिन में उन्हें पश्चिम बंगाल के हर हिस्से में जाने और लोगों से मिलने का अवसर मिला, और उनके बीच भाजपा के प्रति जो ऊर्जा, उत्साह व जोश उन्होंने देखा, वह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मोदी ने कहा, यह आप सभी बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत का परिणाम है। हर कार्यक्रम में मैं आपकी मेहनत देखता हूं और समाज के सभी वर्ग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। यह अपने आप में बहुत उत्साहजनक अनुभव है।

रामायण में उल्लेखित गाजियाबाद का लोनी दुनिया में सबसे प्रदूषित जगह होने की वजह से चर्चा में

लोनी (गाजियाबाद)/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से सटे गाजियाबाद के लोनी इलाके का उल्लेख रामायण में उस स्थान के तौर पर किया गया है जहां लक्ष्मण ने शूर्पणखा की नाक काटी थी, लेकिन इन दिनों यह शहर दुनिया का सबसे प्रदूषित स्थान होने की वजह से चर्चा में है।

आईक्यूएयर द्वारा जारी विश्व वायु गुणवत्ता रिपोर्ट-2025 में 143 देशों के 9,400 से अधिक शहरों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया और पाया गया कि लोनी में पीएम2.5 की वार्षिक औसत सांद्रता 112.5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित सुरक्षित सीमा से 22 गुना अधिक है। कागजों पर यह आंकड़ा चिंताजनक प्रतीत होता है, लेकिन जमीनी स्तर पर लोनी में सब कुछ सामान्य है। शहर के किसी भी सड़क पर जाएं तो यातायात धीमा होने लगता है। सड़क के दोनों ओर पुरानी इमारतें और दुकानें हैं, जिनकी बाहरी दीवारें समय के साथ काली पड़ गई हैं। ईंट-भट्टे, रंगाई और धातु प्रसंस्करण इकाइयां, प्रदूषण फैलाने वाले ईंधनों से चलने वाली अनधिकृत औद्योगिक इकाइयां, जहरीले ई-कचरे का अंधाधुंध दहन – इन सबसे प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्तर पर पहुंच रहा है।

समानता और न्याय की लड़ाई में आंबेडकर का दृष्टिकोण सबसे महत्वपूर्ण : कन्हैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार ने कहा कि समानता और न्याय की लड़ाई में बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर के दृष्टिकोण एवं विचार आज भी सबसे महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कांग्रेस की छात्र इकाई भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) द्वारा आंबेडकर जयंती पर आयोजित ''सामाजिक न्याय सम्मेलन में यह भी कहा कि जाति व्यवस्था आज भी समाज में अवसरों और पहुंच को प्रभावित करती है।

कांग्रेस के एनएयूआई प्रभारी कुमार का कहना था कि आंबेडकर की प्रासंगिकता निरंतर बनी हुई है। उन्होंने सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक असमानताओं की वास्तविकताओं को उजागर करते

हुए कहा, ''समानता और न्याय की लड़ाई में उनका दृष्टिकोण आज भी केंद्रीय महत्व रखता है।'' एनएसयूआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ ने कहा कि आंबेडकर के विचारों की स्थायी प्रासंगिकता है। उन्होंने कहा कि आंबेडकर ने भारतीय संविधान के माध्यम से देश को समानता, स्वतंत्रता और बंधुत्व का मार्ग दिखाया। उनका जीवन सामाजिक न्याय, शिक्षा और अधिकारों के संघर्ष के लिए आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

रांची में दोस्त की जन्मदिन पार्टी में महिला दंत चिकित्सक के साथ दुष्कर्म

रांची/भाषा। झारखंड के रांची जिले में जन्मदिन की पार्टी में एक व्यक्ति ने पहले एक महिला दंत चिकित्सक को कथित तौर पर नशीला पदार्थ पिलाया और उसके बाद उसके साथ दुष्कर्म किया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक यह घटना नौ अप्रैल की है, जब पीड़ित महिला(25) लालपुर थाना क्षेत्र के एक अपार्टमेंट में अपने एक पुरुष मित्र के जन्मदिन समारोह में गई थी। पुलिस ने बताया कि मेजबान के एक मित्र ने कथित तौर पर महिला का यौन उत्पीड़न किया। लालपुर पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी रूपेश कुमार सिंह ने कहा, ''पीड़िता के बयान के आधार पर हमने 13 अप्रैल को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की। पीड़िता की चिकित्सा जांच की जा चुकी है।

जातिगत भेदभाव खत्म होने तक जारी रहे आरक्षण: विहिप प्रमुख

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। विश्व हिन्दू परिषद (विहिप) के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि जब तक भारतीय समाज में थोड़ा भी जातिगत भेदभाव बाकी है, तब तक देश में आरक्षण की व्यवस्था जारी रहनी चाहिए। उन्होंने संविधान को ''वर्तमान युग की स्मृति'' करार देते हुए यह भी कहा कि मानव मात्र की समानता के खिलाफ किसी भी ग्रंथ में लिखी गई हर बात को अस्वीकार किए जाने की जरूरत है। यहां 'स्मृति' का मतलब विद्वानों द्वारा समाज के लिए बनाए गए नियम-कायदों पर आधारित ग्रंथ है। कुमार, संविधान निर्माता डॉ. बी. आर. आम्बेडकर की 135वीं जयंती पर उनकी जन्मस्थली महू में राज्य सरकार के आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। कुमार ने विहिप के कार्यक्रम के दौरान साधु-संतों के पारित पुराने प्रस्ताव का उल्लेख करते हुए कहा कि सभी मनुष्य बराबर हैं और मनुष्यों में 'छोटा-बड़ा' व 'छूत-अछूत' के सामाजिक भेदभाव भारतीय अध्यात्म के अंग नहीं हैं। जातिगत अन्याय की एक भी घटना पूरे देश के लिए शर्मनाक बात होती है। कुमार ने सरकारी शिक्षण संस्थानों और नौकरियों में जातिगत आरक्षण की व्यवस्था की ओर इशारा करते हुए कहा,''हमारा स्पष्ट मत है कि यह आरक्षण प्रायश्चित है और जब तक कहीं थोड़ा भेदभाव है, तब तक आरक्षण की आवश्यकता है। इसको (आरक्षण व्यवस्था) चलते रहना चाहिए।''

आईसीसी ने संजू सैमसन को मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। भारत की टी20 विश्व कप की जीत के नायक संजू सैमसन को मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) का मार्च महीने का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुना गया।

सैमसन को इस प्रतियोगिता के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी लेकिन बाद में जब उन्हें टीम में शामिल किया गया तो उन्होंने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन बनाकर भारत को इस साल की शुरुआत

में लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप का खिताब जीतने में मदद की थी। सैमसन को मासिक सम्मान मिलने का मतलब है कि पिछले पांच महीनों में यह पुरस्कार किसी दूसरे देश के खिलाड़ी ने हासिल किया है। इस श्रेणी में पिछले चार खिलाड़ी साइमन हार्मर (दक्षिण अफ्रीका), मिचेल स्टार्क (ऑस्ट्रेलिया), डैरिल मिचेल (न्यूजीलैंड) और साहिबजादा फरहान (पाकिस्तान) शामिल हैं। सैमसन ने इस प्रदर्शन को अपने करियर का महत्वपूर्ण दौर करार दिया। उन्होंने कहा, ''आईसीसी का महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल करना अविश्वसनीय अहसास है, विशेषकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट करियर के सबसे अविस्मरणीय दौर में मिला है। पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की जीत में योगदान देना सचमुच एक सपने के साकार होने जैसा था और उस पल के महत्व को पूरी तरह समझने में मुझे कुछ समय लगा।'' सैमसन ने कहा, भारतीय क्रिकेट के लिए यह एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर क्षेत्र में अपार प्रतिभा मौजूद है। मुझे जो अवसर मिले उनके लिए मैं आभारी हूं।

भाजपा में मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया सिर्फ नौटंकी, 'दो व्यक्ति' करते हैं फैसला : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता के तौर पर सम्राट चौधरी को चुने जाने के बाद मंगलवार को दावा किया कि सत्तारूढ़ पार्टी में मंत्री या मुख्यमंत्री के चयन के लिए प्रक्रिया के नाम पर नौटंकी होती है, क्योंकि नाम ''दो व्यक्ति'' पहले ही तय कर लेते हैं।

पार्टी नेता और पूर्व सांसद उदित राज ने यह भी कहा कि भाजपा के विपरीत कांग्रेस में किसी भी नेता के चयन में लोकतांत्रिक प्रक्रिया का पालन होता है और विभिन्न स्तरों पर विचार-विमर्श होता है। बिहार में मंगलवार को सम्राट चौधरी को सर्वसम्मति से भाजपा विधायक दल का नेता चुना गया। इसके साथ ही स्पष्ट हो गया है कि बिहार में बनने वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री के रूप में कमान संभालेंगे। इस बारे में पूछे जाने पर उदित राज ने कांग्रेस कार्यालय में संवाददाताओं से कहा, ''भाजपा में यह सब (नेता का चयन) नौटंकी होती है। कौन मंत्री बनेगा, कौन मुख्यमंत्री बनेगा, कौन पर्यवेक्षक बनेगा, इसको लेकर कई दिनों तक चर्चा होती है। यह सब नाटक है। भाजपा में लोकतंत्र नहीं है।'' उन्होंने दावा किया, ''जिसको बनाना होता है, उस बारे में दो व्यक्ति फैसला कर लेते हैं और आगे बाकी जो होता है, वो सब नौटंकी है।''

सुविचार

नारी शक्ति ही समाज का आधार है। सम्मान केवल एक दिन नहीं, बल्कि हर दिन उनका हक है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

धर्म का ज्ञान बनेगा कवच

देश की एक मशहूर आईटी कंपनी में कई महिलाओं द्वारा दर्जनभर सहकर्मियों पर यौन उत्पीड़न, मानसिक प्रताड़ना और धर्म परिवर्तन के लिए दबाव डालने के आरोपों का मामला अत्यंत गंभीर है। इसकी निष्पक्षता से जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह दुर्भाग्य का विषय है कि भारत के बहुसंख्यक समाज में आज भी कई लोग अपने बच्चों को धर्म के बारे में कोई जानकारी नहीं देते। वे सिर्फ यही चाहते हैं कि हमारे बच्चे पढ़ें, लिखें और बहुत सारे रुपए कमाएं। पढ़ाई करना और धन कमाना गलत नहीं है। ये जीवन की जरूरतें हैं, लेकिन ये ही जीवन नहीं हैं। जिन बच्चों को अपने धर्म की पर्याप्त जानकारी नहीं होती, वे दूसरों के बहकावे में बहुत जल्दी आते हैं। कई माता-पिता सोचते हैं कि हमने बच्चों का एडमिशन अच्छे स्कूल या कॉलेज में करा दिया, बढ़िया मोबाइल फोन दे दिया, महंगा लैपटॉप थमा दिया तो हमारा कर्तव्य पूरा हो गया। वे उन्हें वेदों के बारे में कुछ नहीं बताते। घरों में कोई धार्मिक ग्रंथ नहीं रखते। अगर रखते भी हैं तो उन पर कभी चर्चा नहीं करते। भगवान के विभिन्न अवतारों के बारे में कभी बात नहीं करते। हमारे तीर्थों का क्या महत्त्व है, इसकी जानकारी नहीं देते। अगर बच्चा पूछता है तो जवाब मिलता है- 'ये सब बुढ़ापे में सीख लेना, अभी पढ़ाई करो, नौकरी ढूंढ़ो।' क्या होगा अगर आपका बच्चा पढ़ाई में शानदार प्रदर्शन करे, उसे बड़ी कंपनी में नौकरी मिल जाए और एक दिन कोई उसके मन में आपके और धर्म के खिलाफ जहर भर दे? यह एक मामूली सवाल नहीं है। पूर्व में भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं, जब अपने धर्म के ज्ञान से बिल्कुल अनजान व्यक्ति को किसी और ने जाल में फंसा लिया!

हाल में उत्तर प्रदेश के एक पुलिस कांस्टेबल का मामला चर्चा में रहा, जिस पर एक महिला धर्मांतरण के लिए दबाव डाल रही थी। उसने कांस्टेबल के कागजात तक बनवा दिए थे और एक जमात में शामिल होने के लिए कह रही थी। जब कांस्टेबल ने इससे इन्कार किया तो उसे दुष्कर्म के झूठे मामले में फंसाने की धमकी दी। आखिर में उस कांस्टेबल को पुलिस की ही मदद लेनी पड़ी और महिला को गिरफ्तार किया गया। जब एक कांस्टेबल के साथ यह हो सकता है तो आम आदमी कितना सुरक्षित है? ऐसा ही मामला उत्तर प्रदेश के एक मेडिकल विश्वविद्यालय का है, जहां एक डॉक्टर पर यौन उत्पीड़न, आपत्तिजनक वीडियो बनाने और धर्मांतरण के लिए दबाव डालने के आरोप लगे थे। एक पाखंडी शख्स बाबा बनकर धर्मांतरण का गैंग चलाता पकड़ा गया था। उसके खिलाफ अदालतों में कई मामले हैं। उसने धर्मांतरण को धंधा बना लिया था। लोग उसके जाल में फंसते जाते थे और वह उनका शोषण करता था। धर्मांतरण के पक्ष में यह कुतर्क खूब दिया जाता है- 'आज सब पढ़े-लिखे लोग हैं। कोई बहला-फुसलाकर किसी का धर्मांतरण कैसे करा सकता है?' अगर धर्मांतरण के मामलों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि निरक्षर और उच्च शिक्षित, दोनों ही तरह के लोगों को फंसाया जा सकता है। हां, उच्च शिक्षित व्यक्ति से यह उम्मीद जरूर की जाती है कि उसे सही-गलत की जानकारी ज्यादा होगी, लेकिन कई बार ऐसे लोग भी धोखे के शिकार हो जाते हैं। एक बहुचर्चित मामले में पीड़ित युवती ने स्वीकारा था कि प्रेम के वशीभूत होकर अपने सहकर्मी से शादी की थी। इसके लिए धर्मांतरण किया, जिसका उसके माता-पिता ने काफी विरोध किया था। उसे बहुत समझाने की कोशिश की, लेकिन युवती नहीं मानी। शादी के बाद पता चला कि उसे जो सुनहरे सपने दिखाए गए थे, वे सब झूठे थे। ससुराल पक्ष ने उस युवती की सारी बचत हड़प ली और मनमानी शर्तें थोपने लगे थे। आखिर में उसे अपने मां-बाप के पास आना पड़ा। अगर अपने बच्चों को ऐसी घटनाओं से बचाना चाहते हैं तो उन्हें धर्म का ज्ञान जरूर दें। यह सोचकर अति-आत्मविश्वास न पालें कि 'ऐसा दूसरों के साथ हो सकता है, हमारे साथ नहीं हो सकता है।' मुसीबत कभी सूचना देकर नहीं आती। अपने धर्म का ज्ञान ही आपका कवच बनेगा।

ट्वीटर टॉक

सदगुरु आश्रम के पूज्य श्री पंडित राजकुमार शर्मा जी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। ईश्वर आपको हमेशा अच्छी सेहत, लंबी उम्र और बेशुमार एनर्जी दे, और आप इसी लगन से सनातन धर्म और अध्यात्म के प्रचार-प्रसार में आगे बढ़ते रहें।

-वसुंधरा राजे

मैंने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के साथ बेंगलूरु में केपीसीसी ऑफिस के भारत जोड़ो भवन में हुए संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर की 135वीं जयंती के कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस मौके पर, मैंने बाबासाहेब की तस्वीर पर फूल चढ़ाए और वहां मौजूद लोगों को संबोधित किया।

-डीके शिवकुमार

ज्ञान के प्रतीक, भारतीय संविधान के निर्माता और सामाजिक समरसता के प्रणेता 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर राज्य स्तरीय समारोह में उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई।

-भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

चुगली का पलटवार

चाणक्य के आश्रम में एक शिष्य था, जिसे दूसरों की बातें इधर-उधर पहुंचाकर आनंद मिलता था। उसकी एक आदत ने पूरे आश्रम का माहौल बदल दिया थाजहां पहले शांति थी, वहां अब छोटी-छोटी बातों पर विवाद होने लगे। एक दिन चाणक्य ने उसे पास बुलाया और बिना कुछ कहे एक तकिया थमा दिया। बोले 'जाओ, पूरे गांव में घूमो और इसकी रूई को हवा में उड़ाते जाओ।' शिष्य को यह अजीब लगा, लेकिन उसने वैसा ही किया। जब वह लौटकर आया, तो चाणक्य ने शांत स्वर में कहा'अब जाओ, उन सारे रूई के टुकड़ों को वापस इकट्ठा करके ले आओ।' शिष्य हंस पड़ा 'गुरुजी, यह कैसे संभव है? वे तो हवा में बिखर गए होंगे।' चाणक्य ने कहा 'जैसे ये रूई के टुकड़े हवा में फैलकर कभी वापस नहीं आ सकते, वैसे ही तुम्हारे शब्द भी लोगों के दिलों में फैल जाते हैं। तुम एक पल के आनंद के लिए जो चुगली करते हो, वही आनंद कभी तुम्हारे लिए पलटवार बनकर लौटता है। तब चाहकर भी तुम उसे समेट नहीं पाओगे।' यह सुनते ही शिष्य का सिर झुक गया। उसे समझ आ गया कि उसका 'आनंद' वास्तव में दूसरों के दर्द की कीमत पर था।

सामयिक

होर्मुज की नाकेबंदी से टूटती अनगिनत उम्मीदें

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9454105568

होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के नक्शे पर महज एक संकरी रेखा है, लेकिन इस रेखा के दोनों किनारों पर आज जो ताकतें आमने-सामने खड़ी हैं, उनकी टकराहट की गूँज पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था की नींव तक पहुँच रही है। होर्मुज नाकेबंदी का यह संकट केवल दो देशों के बीच के सैन्य टकराव की कहानी नहीं है। यह उस पूरी व्यवस्था के दरकने की कहानी है जिस पर पिछले कई दशकों से वैश्विक व्यापार की रफ्तार, ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता और करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी टिकी हुई है। इस संकट की पृष्ठभूमि फरवरी 2026 के अंत में बनी जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने ईरान पर सैन्य हमले किए। ईरान ने इसके जवाब में होर्मुज जलडमरूमध्य पर अपना प्रभाव बढ़ाने की कोशिश की और वहाँ से गुजरने वाले जहाजों पर नियंत्रण की कोशिशें तेज कर दीं। यह वही जलमार्ग है जिससे सामान्य परिस्थितियों में विश्व के समुद्री तेल व्यापार का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता है। इसके बाद पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में शांति वार्ताओं का एक लंबा दौर चला। सप्ताहों तक कूटनीतिक मेज पर बातचीत होती रही लेकिन जब ये वार्ताएँ बिना किसी नतीजे के समाप्त हो गईं तो 13 अप्रैल 2026 को भारतीय समयानुसार शाम लगभग 7 बजकर 30 मिनट पर अमेरिका ने ईरान के सभी प्रमुख बंदरगाहों पर समुद्री नाकेबंदी लागू कर दी। इस एक घोषणा ने पूरी दुनिया की आर्थिक नब्ज को झकझोर कर रख दिया।

नाकेबंदी को सीमित रखने की कोशिश की गई। अमेरिकी सैन्य कमान ने स्पष्ट किया कि यह केवल उन जहाजों पर लागू होगी जो ईरानी बंदरगाहों में प्रवेश करते हैं या वहाँ से बाहर निकलते हैं। खाड़ी के अन्य देशों के बीच आवागमन को बाधित नहीं किया जाएगा। उद्देश्य यह था कि ईरान की तेल निर्यात क्षमता को कुचला जाए लेकिन वैश्विक व्यापार पूरी तरह ठप न हो। किंतु यह सीमित रणनीति भी बाजारों को स्थिर नहीं रख सकी। जैसे ही नाकेबंदी की घोषणा हुई, कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार चली गई और कुछ ही घंटों में यह 101 से 104 डॉलर प्रति बैरल के बीच पहुँच गई। यह केवल तत्काल बाजार प्रतिक्रिया नहीं थी बल्कि इसमें आने वाले महीनों की गहरी अनिश्चितता का डर भी शामिल था। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि यह संकट लंबा खींचा तो तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

ईरान की जवाबी चालों ने समुद्री व्यापार को जड़ से हिला दिया। सैकड़ों जहाज खाड़ी के बाहर लंगर डाले प्रतीक्षा करते रहे। लाखों बैरल तेल समुद्र में ही अटका रहा। अनुमान है कि प्रतिदिन लगभग 20,00,000 बैरल ईरानी तेल की आपूर्ति इस नाकेबंदी से प्रभावित हो सकती है। यह आँकड़ा वैश्विक बाजार के लिए किसी गहरे घाव से कम नहीं है। जब इतनी बड़ी मात्रा में तेल आपूर्ति अचानक बाधित होती है तो उसकी प्रतिध्वनि केवल पेट्रोल पंपों पर नहीं बल्कि हर उस चीज की कीमत पर सुनाई देती है जिसे बनाने, उगाने या पहुँचाने में ऊर्जा की जरूरत होती है। समुद्री बीमा दरों में तेज उछाल ने स्थिति को और जटिल बना दिया। जब जहाज संघर्ष क्षेत्र के पास से गुजरते हैं तो बीमा कंपनियाँ जोखिम के अनुपात में प्रीमियम बढ़ा देती हैं। इससे परिवहन की लागत बढ़ जाती है। जो जहाज वैकल्पिक मार्ग अपनाते हैं उन्हें अफ्रीका के केप ऑफ गुड होप का लंबा चक्कर लगाना पड़ता है जिससे यात्रा का समय और ईंधन खर्च दोनों बढ़ जाते हैं। यह बढ़ी हुई लागत अंततः उन देशों तक पहुँचती है जो इस तेल के खरीदार हैं और वहाँ के उपभोक्ताओं की जेब पर सीधा बोझ बनती है। इस तरह होर्मुज में खींची गई एक रेखा दिल्ली, बीजिंग, टोक्यो और यूरोप की रसोइयों तक अपना असर दिखाती है।

अमेरिका की इस नाकेबंदी के पीछे केवल सैन्य उद्देश्य नहीं है। इसका मकसद ईरान को आर्थिक रूप से इतना दबाना है कि वह वार्ता की मेज पर वापस आने को मजबूर हो जाए। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि आर्थिक नाकेबंदी हमेशा वैसा असर नहीं करती जैसी उम्मीद होती है। कभी-कभी दबाव में आकर देश और अधिक कठोर रुख अपना लेते हैं।

एशिया इस संकट का सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक देश है और उसकी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से पूरा होता है। ऊर्जा महंगी होने पर उसकी विनिर्माण लागत बढ़ेगी, उत्पाद महंगे होंगे और वैश्विक बाजार में उसकी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त कमजोर पड़ेगी। इसका असर उन देशों पर भी पड़ेगा जो चीनी वस्तुओं पर निर्भर हैं। भारत की स्थिति और भी अधिक नाजुक है। भारत अपनी कुल ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा खाड़ी देशों से आयात करता है। तेल महंगा होने का अर्थ है कि परिवहन लागत बढ़ेगी, बिजली उत्पादन महंगा होगा, उद्योगों की लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु की कीमत ऊपर जाएगी। हाल की रिपोर्टों में यह सामने आया है कि तेल कीमतों में आई इस उछाल के कारण भारतीय मुद्रा पर भी दबाव बढ़ा है जो आयात को और महंगा बना देता है।

इस संकट का एक ऐसा पहलू भी है जिस पर आम तौर पर कम ध्यान जाता है और वह है खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाला असर। आधुनिक कृषि ऊर्जा पर बहुत अधिक निर्भर है। खाद बनाने में प्राकृतिक गैस का बड़े पैमाने पर उपयोग होता है। जब ऊर्जा महंगी होती है तो खाद महंगी होती है, खेती की लागत बढ़ती है और अनाज के दाम चढ़ते हैं। 2026 के इस संघर्ष ने पहले ही तेल और गैस के साथ-साथ खाद आपूर्ति को भी प्रभावित किया है। संयुक्त राष्ट्र से जुड़े आकलनों में गंभीर चेतावनी दी गई है कि यदि यह संकट लंबे समय तक बना रहा तो करोड़ों लोग गरीबी में धकेले जा सकते हैं और वैश्विक खाद्य संकट उभर सकता है। यह चेतावनी उन देशों के लिए विशेष रूप से भयावह है जो पहले से ही खाद्य असुरक्षा से जूझ रहे हैं।

यूरोप की स्थिति भी चिंताजनक है। महाद्वीप पहले से ही ऊर्जा संकट की मार झेल रहा है और इस नई घटना ने उसकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्थाएँ जो अभी धीरे-धीरे पटरी पर लौट रही थीं, उन्हें एक और झटका लगा है। इस पूरे संकट के सामरिक आयाम भी कम जटिल नहीं हैं। ईरान ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि किसी सैन्य जहाज ने उसके प्रभाव क्षेत्र के समीप हस्तक्षेप किया तो उसे संघर्षविराम का उल्लंघन माना जाएगा और जवाबी कार्रवाई होगी। इसका मतलब यह है कि कोई भी छोटी सी घटना बड़े युद्ध की शुरुआत बन सकती है। इस क्षेत्र में 1980 के दशक में भी ईरान-इराक युद्ध के दौरान इसी जलमार्ग को लेकर भयंकर तनाव देखा गया था। लेकिन आज की परिस्थिति उस दौर से कहीं अधिक जटिल है क्योंकि आज की वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं अधिक आपस में बुनी हुई है। एक जगह की आग दूसरी जगह पहुँचने में अब ज्यादा वक्त नहीं लगता।

अमेरिका की इस नाकेबंदी के पीछे केवल सैन्य उद्देश्य नहीं है। इसका मकसद ईरान को आर्थिक रूप से इतना दबाना है कि वह वार्ता की मेज पर वापस आने को मजबूर हो जाए। लेकिन इतिहास यह भी बताता है कि आर्थिक नाकेबंदी हमेशा वैसा असर नहीं करती जैसी उम्मीद होती है। कभी-कभी दबाव में आकर देश और अधिक कठोर रुख अपना लेते हैं। यदि ईरान ने भी ऐसा ही किया तो यह संकट और गहरा हो सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य का यह संकट हमें एक बड़ी सच्चाई से रूबरू कराता है। आधुनिक दुनिया में ऊर्जा मार्गों का नियंत्रण केवल आर्थिक मामला नहीं है, यह सबसे बड़ी राजनीतिक ताकत है।

जो देश या शक्ति इन मार्गों पर काबिज होती है वह वैश्विक राजनीति की बिसात पर सबसे मजबूत मोहरा बन जाती है। अप्रैल 2026 की यह नाकेबंदी केवल एक कूटनीतिक चाल नहीं है। यह उस बड़े संघर्ष की एक कड़ी है जो ऊर्जा, भू-राजनीति और वैश्विक व्यवस्था के भविष्य को लेकर दशकों से चला आ रहा है। होर्मुज की यह आग आज चाहे जितनी सीमित लगे, इसकी तपिश दिल्ली से बीजिंग तक, लंदन से नैरोबी तक, हर जगह महसूस की जा रही है और यदि यह जल्द नहीं बुझी तो इसके धुएँ में न जाने कितनी अर्थव्यवस्थाएँ दम तोड़ देंगी।

नजरिया

उपभोक्ता बनते बच्चे

दिनेश प्रताप सिंह 'चित्रेश'
मोबाइल : 7379100261

वैश्वीकरण के मौजूदा दौर में सारा देश मंडी में तब्दील होने लगा है। ध्यान देने की बात यह है कि इस मंडी के महत्वपूर्ण खरीददारों में बच्चों का विशेष स्थान बन चुका है। यहाँ तक कि अपने प्रयोग के सामानों के साथ-साथ फ्रिज, वाशिंग मशीन, बाइक, कार, फर्नीचर जैसी मंहगी खरीददारी में भी इनकी की भूमिका बनती जा रही है। निश्चित रूप बच्चे अभिभावकों के जरिए इस पड़ाव तक नहीं पहुंचे हैं, बल्कि अधिकांश माँ-बाप को शायद ही इसका रंच मात्र अभास हो कि उनके लड़लों को करोड़ों की खरीद-फरोख्त के बाजारू जाल में फँसाया जा रहा है। कई सर्वेक्षण रिपोर्टों के अनुसार, बच्चों को इस मुकाम तक लाने में टेलीविजन और उनके विज्ञापनों का हाथ है। विज्ञापन सूचना माध्यम का एक आयाम है। यह हमारी आवश्यकताओं के सापेक्ष विकल्प प्रस्तुत करते हैं और हम विवेक सम्मत ढंग से उपयुक्त वस्तु का चयन कर सकते हैं। किन्तु बच्चों में विवेक कम होता है। आठ-दस साल का बच्चा यह नहीं जान सकता कि टी.वी. पर जगमगाते विज्ञापन वास्तविकता से कोसों दूर सिर्फ वस्तु के प्रचार हैं।

मार्केटिंग तंत्र को इससे कोई मतलब नहीं है। बाजार की ताकतें जीवन की बदलती प्राथमिकताओं और स्थितियों के बीच अपना वर्चस्व स्थापित करना जानती हैं। आज स्थिति यह है कि शिक्षित और कमाऊ वर्ग एकल परिवारों में विभक्त हैं। यद्यपि परिवार में बच्चों की संख्या सीमित होती है, फिर भी माता-पिता अपनी भाग-दौड़ भारी जिन्दगी के कारण बच्चों को पर्याप्त समय नहीं दे पाते। परिणामतः बच्चे अकेलेपन का शिकार हो रहे हैं। वह अपना अकेलापन बांटने के लिए निरन्तर टी.वी. चैनलों के सम्पर्क में रहते हैं। मार्केटिंग तंत्र इसका पूरा फायदा उठाने में लगा है। यह टी.वी. पर प्रसारित होने वाले उन्हीं सीरियलों को विशेष रूप से स्पांसर करता है, जिसमें वर्जनाओं और पारंपरिक मूल्यों से मुक्त चमक-दमक भरी पाश्चात्य शैली की जिंदगी दिखाई गई होती है। जबकि औसत हिन्दुस्तानी बच्चे का पारिवारिक परिवेश इससे एकदम अलग किस्म का होता है। किन्तु बच्चा यह अंतर नहीं समझ पाता है। वह टी.वी. वाली जिंदगी को सत्य मानकर उसे अपने जीवन में उतारना चाहता है। इसके अलावा बच्चों का ध्यान खींचने के लिए तीन चौथाई विज्ञापनों में बच्चों के रोल हैं। विज्ञापन का बच्चा बाल दर्शकों को खूब आकर्षित करता है। वह विज्ञापन वाले बच्चे जैसा स्वयं भी दिखाना चाहते हैं। इसलिए उन्हें वैसा ही स्कूल बैग, जूता, कैप, नेकर, शर्ट वगैरह तो चाहिए ही; घरेलू समान भी विज्ञापन वाले बच्चे के मम्मी-पापा जैसा हो तो क्या कहने। यह है आज के बच्चों का दृष्टिकोण ! वास्तव में बच्चे जो देखते हैं, वही सीखते हैं। द इम्पैक्ट ऑफ टी.वी. एडवरटाइजिंग आन चिल्ड्रन' शीर्षक नमिता उन्नीकृष्णन और शैलजा वाजपेयी के अध्ययन के अनुसार, आठ से पन्द्रह साल के पचहत्तर प्रतिशत बच्चे टेलीविजन विज्ञापनों में प्रदर्शित उत्पादों को हासिल करना चाहते हैं।

एक तरफ टेलीविजन बच्चों में पाश्चात्य शैली के जीवन मूल्यों का सृजन कर रहा है, दूसरी तरफ उन्हें उपभोक्ता बनने के लिए विज्ञापनों को उनकी रुचि के अनुकूल बनाया जा रहा है। बच्चों को निशाने पर लेकर अपना लक्ष्यसंधान विपरण तंत्र की एक सोची-समझी रणनीति है। इन्हें पता है कि बच्चे को समय न दे पाने की मन ही मन लज्ञा झेलने वाले पैरेंट्स खरीददारी में बच्चों की भूमिका स्वीकारने के लिए विवश हैं, क्योंकि इससे उनको बच्चों से बढ़ती दूरी को निकटता में बदलने की अनुभूति होती है।

बाजार का यह खेल अत्यन्त विनाशकारी है। यह सीधे-सीधे बचपन में हस्तक्षेप है, जो बच्चों के संस्कार व चारित्रिक विकास के स्तर पर गतिरोध पैदा कर रही है। माता-पिता, प्रियजन और शिक्षकों के साथ सघन संवाद, खेलकूद और किस्से-कहानियों के बीच पालने वाला बचपन संवेदना, कल्पना, चिंतन और तर्कशक्ति सम्पन्नता के धरातल पर विकसित होता है। यह रचनात्मक व्यक्तित्व के विकास के लिए आवश्यक है तथा इसी से विवेक और मानवीयता का पक्ष पुष्ट होता है। इधर बच्चों की दुनिया तेजी से बदल रही है। भोला-भला और सपनों से भारी आँखों वाला आज्ञाकारी बचपन विदा ले रहा है। उसका स्थान ले रहे हैं शेखीबाज, स्वार्थी, आत्मकेंद्रित और अवमानना से भरे बच्चे !

पहले बच्चों की मांग में जरूरत शामिल होती थी। ले-देकर दुर्गा पूजा, दीवाली, ईद, क्रिसमस, होली आदि पर्वों और जन्मदिन, विवाह जैसे पारिवारिक उत्सवों पर बच्चों की मांग में कुछ जिद और आडंबर भी रहता था, किन्तु अब...। माता-पिता जब भी खरीदारी के लिए निकलने लगते हैं, बच्चों की लिस्ट सामने होती है। इसमें जरूरत के समान शायद ही रहते हों, ज्यादातर आइटम तड़क-भड़कवाले ही होते हैं। अभिभावकों के पास बच्चों को सादगी, संयम, संतोष और मितव्ययिता की सीख देने का समय नहीं है। वे बच्चों की मांग की पूर्ति करके उन्हें प्रसन्न देखना चाहते हैं। यह विवेक तो वह पता नहीं कब गवां चुके हैं कि सोच सकें, जिनके पास अधिक पैसा नहीं है, उनके बच्चों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? कहीं वे साथ खेलते या पढ़ते हुए हीनभावना से घिरकर बराबरी में आने के लिए कोई गलत राह तो नहीं पकड़ लेंगे?

आधुनिक भारतीय समाज अपने अन्दर विरोधाभास और द्वन्द्व के चरम उबाल को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ सम्पन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। इस संवर्ग के बच्चे या किशोर में क्या अपने ही आयुवर्ग के सम्पन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक नहीं हो सकती ? असमान्यता पहले भी थी, मगर तब अमीर-गरीब की खाई इतनी चौड़ी नहीं थी।

आधुनिक भारतीय समाज अपने अन्दर विरोधाभास और द्वन्द्व के चरम उबाल को समेटे हुए जी रहा है। एक तरफ सम्पन्नता और विलासिता में डूबे कुछेक लाख लोग और उनका पिछलग्गू बड़ा मध्यवर्ग है। दूसरी तरफ एक बहुत बड़ी आबादी जीवन की मूलभूत सुविधाओं से वंचित घुट रही है। इस संवर्ग के बच्चे या किशोर में क्या अपने ही आयुवर्ग के सम्पन्न परिवार के संतानों जैसा जीवन जीने की ललक नहीं हो सकती ? असमान्यता पहले भी थी, मगर तब अमीर-गरीब की खाई इतनी चौड़ी नहीं थी।

बेलगाम उपभोग की प्रवृति नहीं थी। अपनी चादर देखकर पैर फैलाने का एक सार्वभौमिक सामाजिक मूल्य था, जो हर प्रकार की संकीर्णताओं और नैराश्य के अंधकार में लोगों को भटकने से बचत था। आज संतोष और संयम पर आधारित पुराने मूल्य खण्डित हो रहे हैं। इनके स्थान पर भोगवाद प्रबल हो रहा है। यह गलत-सही कैसे भी मन की मुराद पूरी करने की प्रेरणा देता है। युवावर्ग में आक्रोश, आक्रामकता, विद्रोह, अवमानना, हिंसक वृत्ति वगैरह में बढ़ोत्तरी इसी की देन है। समाज में जिस तेजी से असमानता बढ़ रही है, उसको देखते हुए इन पतनशील वृत्तियों में अभी और वृद्धि की संभावना है। समाज क्रिया-प्रतिक्रिया से संचालित होता है। नई उपभोक्ता जमात की कुछ तो प्रतिक्रिया वंचित वर्ग के किशोरों-युवाओं पर होगी ही ! इससे समाज के ताने-बाने में जिस बड़े उलझाव के पूर्व संकेत मिल रहे हैं, वह निश्चय ही डरावनी तस्वीर है। इससे समाजशास्त्री और शिक्षाविद चिंतित हैं। किन्तु बाजार और मीडिया की ताकत के सामने वह असहाय हैं। उनकी चिंता सिर्फ चिंता है, वह आपाधापी भरे समाज को कोई सार्थक चिंतन और दिशा नहीं दे पा रहे हैं।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय की मंजूरी के कारण अब नीरव मोदी का मामला 'गोपनीय' रहेगा

नयी दिल्ली/भाषा। फ्रांस के स्ट्रासबर्ग स्थित यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) ने भगोड़े हीरा व्यापारी नीरव मोदी की पहचान को गोपनीय रखने की अनुमति दे दी है, जिससे उसका मामला सार्वजनिक जांच से बाहर हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय उनके मामले को गोपनीय मानेगा और मामले की कार्यवाही जनता की नजरों से दूर की जाएगी।

ईसीएचआर के प्रेस कार्यालय ने 'पीटीआई' को बताया, जिन मामलों में आवेदक को पहचान गोपनीय रखने का अधिकार दिया गया और मुकदमे से जुड़ी फाइल गोपनीय है, उन मामलों के बारे में न्यायालय कोई जानकारी नहीं दे सकता। लगभग दो सप्ताह में ईसीएचआर नीरव मोदी की याचिका पर सुनवाई कर सकता है। सूत्रों के अनुसार, न्यायालय केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की भी सुनवाई करेगा, जिसके बाद वह फैसला सुना सकता है। यदि मोदी की याचिका खारिज हो जाती है, तो ब्रिटेन से भारत में उसके प्रत्यर्पण की अंतिम कानूनी बाधा दूर हो जाएगी। वह फिलहाल लंदन की जेल में बंद है।

मार्च में ब्रिटेन के 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने मोदी की प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका पर फिर से सुनवाई की अपील को खारिज कर दिया था। इससे ब्रिटेन में नीरव मोदी के लिए सभी कानूनी रास्ते बंद हो गए। इसके बाद उसने यूरोपीय मानवाधिकार न्यायालय (ईसीएचआर) का रुख किया। ब्रिटेन मानवाधिकारों पर यूरोपीय संधि का हस्ताक्षरकर्ता देश है। लॉर्ड जस्टिस स्टुअर्ट-स्मिथ और जस्टिस जे की पीठ वाली 'हाई कोर्ट ऑफ जस्टिस' ने दंड प्रक्रिया नियमों के तहत मोदी की अपने प्रत्यर्पण अपील को फिर से खोलने की याचिका को 'खारिज' कर दिया।

स्वागत

उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में एक बड़े रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भीड़ से गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

बाबा साहेब को 'भारत रत्न' न मिले इसके लिए कांग्रेस ने हर प्रकार से षड्यंत्र रचे : आदित्यनाथ

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'भारत रत्न' बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मंगलवार को विपक्षी दलों, खासतौर से कांग्रेस और समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा प्रहार किया और आरोप लगाया कि बाबा साहेब को 'भारत रत्न' न मिले, इसके लिए कांग्रेस ने हर प्रकार से षड्यंत्र रचे।

योगी आदित्यनाथ ने यहां आंबेडकर महासभा परिसर में बाबा साहेब की 135वीं जयंती पर आयोजित एक समारोह में उनके सिद्धांतों पर आधारित एक स्मारिका का लोकार्पण किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा, कांग्रेस ने बाबा साहेब को कभी सम्मान नहीं दिया, चुनाव लड़ने से वंचित करने का प्रयास किया और उन्हें भारत रत्न न मिले, इसके लिए उसने हर प्रकार के षड्यंत्र रचे। उन्होंने कहा, आज वह (कांग्रेस) भी संविधान की प्रति लेकर भले ही घूम रही है, लेकिन इसकी वास्तविकता को समझने की आवश्यकता है। योगी ने कहा, मुझे प्रसन्नता है कि बाबा साहेब की 135वीं जयंती के उपलक्ष्य में उत्तर प्रदेश सरकार ने एक बड़ा कार्यक्रम अपने हाथ में लिया है। पहले चरण में सभी 75 जिलों में एक-एक स्थान पर और इसके बाद जहां बाबा साहब की प्रतिमाएं सार्वजनिक स्थानों पर हैं, वहां चारदीवारी और छतरी की व्यवस्था की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा, आज पूरा देश भारत माता के महान सपूत को स्मरण कर रहा है, जिनका जीवन एक भारत-श्रेष्ठ भारत की परिकल्पना को साकार करने और गरीबों को न्याय दिलाने के लिए समर्पित था। उन्होंने कहा, आज हर दलित, वंचित, गरीब और महिला न्याय की अपेक्षा रखती है और उसे बाबा साहेब के विचारों में रोशनी दिखाई देती है। विपक्षी दलों की सक्रियता पर तंज कसते हुए योगी ने कहा, बाबा साहेब के विचारों का जो प्रकाश फैला है, उसे हड़पने के लिए स्वार्थी ताकतें उनके नाम का उपयोग कर रही हैं और घड़ियाली आंसू बहा रही हैं। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिन्हें दलितों, वंचितों, महिलाओं और गरीबों से नफरत रही है और जिन्होंने सामाजिक न्याय के पुरोधाओं का अपमान किया। आज वे लोगों को गुमराह करने का प्रयास कर रहे हैं।

योगी ने सवाल उठाते हुए कहा, बाबा साहेब और संत रविदास के नाम पर बने जनपदों के नाम क्यों बदले गए और कन्नौज के सरकारी मेडिकल कॉलेज का नाम क्यों बदला गया। उन्होंने आरोप लगाया, गरीबों, दलितों और वंचितों के हक पर डकैती डाली गई।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब इन नामों की बात सामने आएगी, तो समाजवादी पार्टी के मौजूदा मुखिया का ही नाम सामने आएगा। ये वे लोग हैं जो चांदी का चम्मच लेकर पैदा हुए और इन्होंने गरीबों, दलितों और वंचितों की पीड़ा को कभी नहीं समझा। उन्होंने कहा, बाबा साहेब के प्रयासों से मिलने वाले जमीन के पट्टों से भी आपको वंचित करने का प्रयास किया गया।

मुख्यमंत्री ने असीम अरुण को धन्यवाद देते हुए कहा कि कन्नौज के मेडिकल कॉलेज का नाम फिर से बाबा साहेब के नाम पर करने की घोषणा कराई गई।

'न्याय के साथ विकास' से राजनीतिक पलटवार तक; ऐसी है नीतीश कुमार की राजनीतिक विरासत

पटना/भाषा

बिहार की राजनीति में लंबे समय तक केंद्रीय भूमिका निभाने वाले नीतीश कुमार ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर एक ऐसे अध्याय पर विराम लगाया, जिसकी विरासत उपलब्धियों और विवादों के मिश्रण के रूप में देखी जाएगी। खुद को न्याय के साथ विकास के सूत्रधार के रूप में स्थापित करने वाले जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष की छवि जहां सुशासन और बुनियादी ढांचे के विस्तार से जुड़ी रही, वहीं लगातार बदलते राजनीतिक समीकरणों ने उनके सफर को उतना ही जटिल और बहुआयामी बना दिया।

अब राज्यसभा सदस्य बन चुके नीतीश कुमार का राजनीतिक सफर हमेशा संतुलन साधने की कला से जुड़ा रहा एक ओर भाजपा के सहारे सत्ता में बने रहना और दूसरी ओर सामाजिक न्याय व सांप्रदायिक सौहार्द के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करना। लेकिन उनके इस्तीफे के साथ ही यह बहस तेज हो गई है कि मंडल राजनीति की उपज रहे इस नेता ने आखिरकार उसी भाजपा के हाथों बिहार की कमान सौंप दी, जो अब तक हिंदी पट्टी के इस राज्य में शीर्ष पद तक नहीं पहुंच सकी थी। इसी बीच, बेटे निशांत के सक्रिय राजनीति में प्रवेश

और संभावित तौर पर सरकार में भूमिका को लेकर उठती अटकलों ने उस छवि पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं, जिसे नीतीश कुमार ने वर्षों तक 'वंशवाद से दूरी' के रूप में गढ़ा था।

इसके बावजूद 75 वर्षीय नीतीश कुमार के खाते में कई उल्लेखनीय उपलब्धियां दर्ज हैं, जिनमें से कुछ उनके उस दौर से जुड़ी हैं जब वे पूर्व प्रधानमंत्री दिवंगत अटल बिहारी वाजपेयी की केंद्र सरकार में मंत्री थे। कहा जाता है कि वाजपेयी उन्हें अपने सबसे सक्षम सहयोगियों में गिनते थे और बिहार में लालू प्रसाद के नेतृत्व वाली मजबूत राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सरकार को चुनौती देने के प्रयासों के दौरान उन्हें राजग का चेहरा बनाने में उनकी अहम भूमिका रही। अपने समय के श्रेष्ठ सांसदों में शुमार रहे कुमार ने रेल मंत्री के रूप में भारतीय रेल के आधुनिकीकरण में विशेष रुचि दिखाई और कई अहम पहल कीं। उन्होंने 2005 में जब बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में सत्ता संभाली, तो एक ऐसे राज्य की छवि बदलने का बीड़ा उठाया, जिसे लंबे समय तक अराजकता और पिछड़ेपन के प्रतीक के रूप में देखा जाता था। उनके पहले पांच वर्षों के कार्यकाल को, उनके कट्टर आलोचक भी, बदलाव की ताजी बयार लाने वाला मानते हैं। एक कठोर और व्यवहारिक राजनेता के रूप में नीतीश कुमार ने सत्ता की राजनीति में कभी झिझक नहीं दिखाई। मोकामा के विधायक अनंत कुमार सिंह जैसे विवादित चेहरों के साथ समीकरण साधने से भी उन्होंने परहेज नहीं किया, वहीं दूसरी ओर पुलिस तंत्र को सशक्त बनाकर कानून का राज स्थापित करने की कोशिश भी जारी रखी यह उनके शासन की विरोधाभासी लेकिन विशिष्ट पहचान रही।

लोकलुभावन नीतियां हमेशा उनकी राजनीति का अहम आधार रहीं। सत्ता में आने के शुरुआती दौर में छात्राओं को मुफ्त साइकिल और वर्दी जैसी योजनाएं उनकी पहचान बन गईं, जबकि कार्यकाल के उत्तरार्ध में 125 यूनिट मुफ्त बिजली और प्रतियोगी परीक्षाओं के फॉर्म शुल्क माफी जैसी घोषणाएं उस समय सामने आईं, जब राजनीतिक जमीन थोड़ी कमजोर पड़ती दिख रही थी।

'भूत बंगला' का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड में जब भी कोई बड़ी फिल्म रिलीज के करीब होती है, तो उसके गाने और ट्रेलर का दर्शकों का काफी बेसब्री से इंतजार रहता है। इन दिनों अक्षय कुमार की फिल्म 'भूत बंगला' इंटरनेट पर खूब चर्चा बटोर रही है। इस बीच मेकर्स ने फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' रिलीज कर दिया है। फिल्म का नया गाना 'ओ सुंदरी' एक शादी के जश्न पर आधारित ट्रैक है, जिसे सुनते ही लोग झूमने पर मजबूर हो जाएंगे। इस गाने में मस्ती और खुशी के पलों को खूबसूरती से दिखाया गया है। गाने की सबसे खास बात इसका म्यूजिक और एनर्जी से भरा डांस है। इसे विशाल मिश्रा, नकाश अजीज और अंतरा मित्रा ने गाया है, जबकि इसका संगीत प्रीतम ने तैयार किया है। वीडियो में अक्षय कुमार और वामिका गब्बी की केमिस्ट्री दर्शकों को देखने को मिल रही है। गाने में दोनों डांस मूव्स काफी दमदार हैं। साथ ही गाने में मिथिला पालकर भी नजर आ रही हैं, जो फिल्म में अक्षय की बहन का किरदार निभा रही हैं। गाने में मिथिला की सगाई दिखाई गई है।

इस दौरान अक्षय अपनी बहन के प्रति प्यार और खुशी जाहिर करते हुए जमकर डांस करते हैं। कभी वह उन्हें आशीर्वाद देते हैं, तो कभी झूमते हुए उनके साथ डांस करते दिखते हैं।यह गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है और दर्शकों के बीच अपनी जगह बना रहा है।निर्देशक प्रियदर्शन की इस फिल्म में पहली बार अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी नजर आ रही हैं। इसके अलावा परेश रावल, राजपाल यादव, तब्बू और असरानी जैसे अनुभवी कलाकार भी फिल्म में अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।फिल्म 17 अप्रैल दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो रही है। इस फिल्म से मेकर्स को काफी उम्मीदें है। अक्षय कुमार और प्रियदर्शन ने इससे पहले 2010 में रिलीज हुई फिल्म 'खट्टा मीठा' में साथ काम किया था। अब 16 साल बाद दोनों साथ में काम कर रहे है। ऐसे में लोगों को उम्मीद है कि इस फिल्म में नयापन होगा और यह मनोरंजन करने में सफल रहेगी।

अब ओटीटी पर मचेगा 'किंग' का शोर, 'लुक्खे' की रिलीज डेट जारी

मुंबई/एजेन्सी

रैप कल्चर, अपराध और बदले की रोमांचक कहानी पर आधारित म्यूजिक एक्शन ड्रामा वेब सीरीज 'लुक्खे' के जरिए लोकप्रिय रैपर और संगीतकार किंग अपना ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। मंगलवार को मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट की जानकारी दी। प्राइम वीडियो ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो जारी किया। इस वीडियो में फिल्म के मुख्य कलाकारों के किरदारों के बारे में बताया गया है। वीडियो पोस्ट कर उन्होंने लिखा, अब रैप और बदला जोर से बोलेगा...सीरीज 'लुक्खे' प्राइम वीडियो पर 8 मई को प्रसारित होने वाली है। 'लुक्खे' एक काल्पनिक म्यूजिकल एक्शन ड्रामा सीरीज है, जिसकी कहानी चंडीगढ़ की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यहां रैप म्यूजिक की दुनिया, महत्वाकांक्षा और अपराध एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। सीरीज की कहानी दो प्रतिद्वंदी रैपर्स के बीच बदले की कहानी को दिखाएगी। इसमें एक तरफ एमसी बदनाम, जिसका किरदार लोकप्रिय रैपर और संगीतकार किंग निभा रहे हैं, जबकि दूसरी ओर ओजी हैं, जिसका किरदार शिवांकित परिहार निभाते नजर आएंगे।

सीरीज में दोनों एक-दूसरे के साथ एक बहुत ही निजी दुश्मनी में उलझे हुए दिखाई देंगे, जिसमें कला और दुश्मनी के बीच की सीमाएं धुंधली होंगी। जबरदस्त एक्शन, गोलियों की बौछार और जोशीली म्यूजिकल एनर्जी का मेल है।हिमांक गौड़ द्वारा निर्देशित सीरीज 'लुक्खे' का निर्माण ओपटीमिस्टिक्स एंटरटेनमेंट और व्हाइट गुरिल्ला एलएलपी के बैनर तले विपुल डी. शाह और राजेश बहल द्वारा किया गया है। कहानी और स्क्रिप्ट अग्रिम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने लिखी और प्रोड्यूस की है। आठ-एपिसोड की सीरीज में राशि खन्ना और किंग (अपनी एक्टिंग करियर की शुरुआत कर रहे हैं) मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। साथ ही पलक तिवारी (जो अपनी स्ट्रीमिंग डेब्यू कर रही हैं) और लक्षवीर सिंह सरन भी अहम रोल में हैं। इसके अलावा, सीरीज में नकुल रोशन सहदेव, कृतिका भारद्वाज, शिवांकित परिहार, योगराज सिंह और आयशा रजा मिश्रा जैसे कलाकार भी अहम रोल में शामिल हैं।

प्राइम वीडियो इंडिया के डायरेक्टर और हेड ऑफ ओरिजिनल, निखिल मधोक, ने सीरीज को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, प्राइम वीडियो में, हम कहानी कहने के नए-नए तरीकों के साथ प्रयोग करके हमेशा कुछ बेहतर करने में विश्वास रखते हैं, फिर चाहे वह अलग-अलग जॉनर को मिलाना हो, नए फॉर्मेट खोजना हो, या फिर लीक से हटकर कहानियों को बढ़ावा देना हो। उन्होंने कहा, यह सीरीज जबरदस्त एक्शन और रैप म्यूजिक को एक साथ लाती है। साथ ही कहानी की रफ्तार और भावनात्मक गहराई का शानदार बैलेंस बनाती है। इसमें बदला और प्रायश्चित की मजबूत कहानी है, जो किरदारों और उनके फैसलों से आगे बढ़ती है। किंग और पलक तिवारी इस सीरीज से अपना ओटीटी डेब्यू कर रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि 8 मई को जब यह सीरीज रिलीज होगी, तो दर्शक इसे बहुत पसंद करेंगे।

सीरीज के क्रिएटर्स और एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर्स अग्रिम जोशी और देबोजीत दास पुरकायस्थ ने बताया, 'लुक्खे' हमारे लिए एक बहुत ही जुनून भरा प्रोजेक्ट रहा है। हमने एक ऐसी दुनिया बनाई है जहां एक्शन, रैप म्यूजिक और सच्ची इंसानी भावनाएं एक साथ जुड़कर दर्शकों को रोमांचक अनुभव देंगी। प्राइम वीडियो और बेहद प्रतिभाशाली हर तरह की भूमिका निभाने में सक्षम कलाकारों के साथ मिलकर काम करने से इस अलग अलग जॉनर वाली कहानी को इस तरह से पेश कर पाए हैं, जो दर्शकों को पूरी तरह से अपने साथ जोड़ लेती है, जिसमें ज़बरदस्त तीव्रता है और जो सबसे अलग है।

मेरी पूरी दुनिया चली गई, आशा भोसले को याद कर पोती जनाई भोसले हुईं भावुक

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय संगीत जगत की दिग्गज गायिका आशा भोसले का सोमवार को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कर दिया गया। उनकी पोती जनाई भोसले ने इंस्टाग्राम पर अपनी दादी के साथ बिताए खूबसूरत पलों को याद करते हुए एक प्यारा वीडियो शेयर किया है। इस पोस्ट में जनाई ने बताया कि उनकी दादी उनके लिए परिवार का सिर्फ एक सदस्य नहीं, बल्कि उनकी पूरी दुनिया थीं। जनाई ने अपने पोस्ट में लिखा, ''आज सुबह जब मैं उठी, तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने अपने शरारतों के साथी, अपने सबसे अच्छे दोस्त, उस इंसान को खो दिया है, जिसने मेरी दुनिया को पूरा किया, जिसने मुझे जन्म के समय सबसे पहले अपनी गोद में लिया था।'' उन्होंने आगे लिखा, ''अब मैं क्या करूं? अब मैं सुबह उठकर किसे गले लगाऊं और किसके साथ चाय पीयूं? जब मैं घर आऊंगी तो मेरा इंतजार कौन करेगा? और मैं मजाक किसके साथ करूंगी? मेरी पूरी दुनिया चली गई।'' जनाई ने दादी को याद करते हुए कहा, ''ये तो बस कुछ बातें हैं जो मुझे उनकी याद दिलाती हैं।

पहली बार रियलिटी शो में हुई थी तारा सुतारिया और फराह खान की मुलाकात

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड कोरियोग्राफर फराह खान अपनी फिल्मों से ज्यादा अब अपने यूट्यूब व्लॉग के लिए फेमस हैं। वे अपने रसोइए दिलीप के साथ बॉलीवुड स्टार्स के घर जाती हैं और उनके साथ मजेदार डिश बनाने के साथ-साथ हिंदी सिनेमा से जुड़े राज भी खोलती हैं। अब कोरियोग्राफर को तारा सुतारिया के घर देखा गया, जहां दोनों ने अपनी पहली मुलाकात का किस्सा भी शेयर किया। फराह खान का नया व्लॉग यूट्यूब पर रिलीज हो चुका है, जिसमें वे तारा सुतारिया के साथ पहली मुलाकात का किस्सा शेयर करती दिख रही हैं। दोनों की पहली मुलाकात रियलिटी शो 'एंटरटेनमेंट के लिए कुछ भी करेगा' के सेट पर हुई थी, जहां 14 साल की प्यारी तारा ने स्टेज पर शानदार ओपेरा गाया था। शो में फराह खान बताती है कि वे तारा

के पिता की कॉलेज की दोस्त हैं और तारा स्कूल की तरफ से हमारे शो पर आई थी और गाना गाने की इच्छा भी जाहिर की थी।

कोरियग्राफर आगे बताती हैं कि तारा उस वक्त बहुत छोटी थी और कर्ल बालों के साथ उन्होंने स्टेज पर पूरे कॉन्फिडेंट के साथ ओपेरा गाया था। अभिनेत्री ने इतना अच्छा गाया था कि अनु मलिक का मुंह खुला रह गया था। शो में तारा अपने कुकिंग एक्सपीरियंस पर भी बात करती हैं और बताती हैं कि उन्हें पहले खाना बनाने का शौक नहीं था लेकिन कोविड के समय वो घर में एक्सपेरिमेंट करती थी। उसी दौरान उन्होंने अच्छा खाना बनाना सीखा था। यह बात तो सभी जानते हैं कि तारा एक प्रोफेशनल सिंगर है और उन्होंने विदेश से सिंगिग का प्रशिक्षण लिया है।

हिंदी सिनेमा में भी कई गाने गा चुकी हैं, जिसमें एक विलेन रिटर्न्स का 'शामत', 'हीरोपंती 2' का मिस हैरान और जलवानुमा गाना शामिल है। बता दें कि तारा सुतारिया ने इसी साल अपना आलीशान घर खरीदा था और गृह प्रवेश के बाद घर के कोने-कोने की फोटोज सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। अभिनेत्री ने घर के शानदार क्लासिक विंटेज फर्नीचर से लेकर पियानो की फोटोज भी सोशल मीडिया पर पोस्ट की थीं। पहला घर खरीदना तारा के लिए बेहद सुखद अनुभव रहा है।

अनीता हसनंदानी के साथ तिरुमाला मंदिर पहुंचीं एकता कपूर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड और टेलीविजन इंडस्ट्री की मशहूर प्रोड्यूसर एकता कपूर अपनी आध्यात्मिकता को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। इन दिनों वह आंध्र प्रदेश के प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में दर्शन करने के लिए गई हैं। इस यात्रा की खास बात यह है कि उनके साथ अभिनेत्री अनीता हसनंदानी भी अपने परिवार के साथ हैं। दोनों ने साथ मिलकर भगवान की पूजा-अर्चना की। एकता ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक खास तस्वीर री-शेयर की। यह फोटो अनीता ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सबसे पहले पोस्ट की थी, जिसे बाद में एकता ने रीशेयर किया है। तस्वीर पर लिखा हुआ है, 13 अप्रैल 2026, तिरुमाला, आंध्र प्रदेश।

अध्यात्म की ओर एकता का लंबे समय से झुकाव रहा है। वह समय निकालकर मंदिरों में जाती रहती हैं और अपनी आस्था को हमेशा खुलकर व्यक्त करती हैं। अनीता हसनंदानी भी उनकी अच्छी दोस्त हैं।

दोनों के बीच दोस्ती कई सालों पुरानी है। अनीता हसनंदानी ने एकता कपूर के बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत कई सुपरहिट धारावाहिकों में काम किया है, जिनमें ये हैं मोहब्बतें, नागिन 3, काव्यांजलि, कभी सौतन कभी सहेली, क्योंकि सास भी कभी बहू थी, और कसम से प्रमुख हैं। उन्होंने नागिन 4 में भी भूमिका निभाई थी। कभी सौतन कभी सहेली अभिनेत्री का टीवी डेब्यू शो था, जिससे उन्हें पहचान मिली थी। एकता कपूर की बात करें तो वह छोटे पर्दे से लेकर बॉलीवुड में भी काफी सक्रिय हैं। उन्होंने कई फिल्मों का निर्माण किया है। उनकी अपकमिंग फिल्म 'भूत बंगला' 17 अप्रैल को रिलीज होने वाली है। इसे एकता कपूर ने प्रोड्यूस किया है। यही वजह है कि फिल्म के प्रमोशन के लिए अक्षय कुमार की एंट्री 'नागिन 7' में करवाई गई। इस खास एपिसोड के जरिए दर्शकों को एक साथ टीवी ड्रामा और फिल्मी तड़का देखने को मिला।

अलसूर में हुआ मुमुक्षु संजय का सम्मान, कल विल्सन गार्डन में होगा आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में मंगलवार को आचार्यश्री पार्श्वचन्द्रजी तथा डा.पदमचंद्रजी के सान्निध्य में मुमुक्षुश्री संजय पुंगलिया का सम्मान कर खोल भरी। महावीर भवन में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए डा. मुनि पदमचंद्र जी ने कहा कि संयम की अनुमोदना से पुण्य का संचय और श्रेष्ठ मार्ग प्रशस्त होता है। मोक्ष और पुण्य संचय हेतु साधना की जाती है। संसार में धर्म और व्यवहार दोनों का सामंजस्य जरूरी है। हम संप्रदाय और क्रिया प्रतिक्रिया में न उलझ कर विशाल और स्पष्ट दृष्टिकोण रखें। इस अवसर पर जयधुरंधरमुनिजी ने कहा कि आत्मा के पुरुषार्थ से जो कर्मों का शमन करे वह श्रमण होता है। जो समभाव में रहे, सहनशील हो मान, सम्मान की चिंता न करे वह श्रमण होता है। जीवन निर्वाह के साथ जीवन का निर्माण कर निर्वाण मार्ग प्रशस्त कर ले वह श्रमण होता है। जय जाप के साथ प्रवचन प्रारंभ करते हुए जयसुबोधमुनिजी ने कहा कि हमारे अज्ञान के कारण ही शंकाएं बढ़ती हैं और अश्रद्धा होती है। अज्ञान के कारण ही हम अपने दुखों के कारण को दूसरों पर थोप देते हैं। दुख तो पूर्व कर्म कर्ज चुकाने के अवसर होते हैं। हम मनुष्य भव में आगे के अच्छे भवों के लिए नींव सुदृढ़ कर लेवें।ङ्ग ङ्ग मुमुक्षु के अभिनंदन में महिला मंडल, नवकार बहु मंडल एवं जेपीपी महिला फाउंडेशन ने गीतिका प्रस्तुत की। जयमल जैन श्रावक संघ के मंत्री मनोहरलाल डूंगरवाल ने आगामी 29 अप्रैल को आयोजित दीक्षा प्रसंग हेतु संघ को निमंत्रण दिया। मुमुक्षु संजय पुंगलिया ने सभी के आशीर्वाद की अपेक्षा करते हुए दीक्षा दिवस को उपवास दिवस के रूप में मनाने का आव्हान किया। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने अभिनंदन पत्र का वाचन किया।

अध्यक्ष धनपत राज बोहरा एवं जयमल जैन श्रावक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण गोटावत सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने मुमुक्षु का स्वागत किया। ज्ञात रहे कि मुमुक्षु संजय पुंगलिया का कल गुरुवार को विल्सनगार्डन जैन स्थानक में सम्मान किया जाएगा। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा, अध्यक्ष नेमीचंद भंसाली, मंत्री सज्जन बोहरा ने सभी श्रद्धालुओं को इस आयोजन में शामिल होने का निवेदन किया है।

साध्वी पावनप्रभा के दर्शनार्थ पहुंचे तेरापंथ सभा के चार पूर्व अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंड्या। शहर में विराजित साध्वीश्री पावनप्रभाजी के सान्निध्य में आयोजित आचार्यश्री महाप्रज्ञ महाप्रयाण दिवस पर आयोजित विशेष कार्यक्रम में तेरापंथ सभा, गांधीनगर के पूर्व चार अध्यक्ष अपने सहयोगियों के साथ शामिल हुए। उन्होंने तेरापंथ धर्मसंघ के दशम आचार्य प्रेक्षा प्रणेता आचार्य श्री महाप्रज्ञजी को अपनी ओर से भावनात्मक नमन करते हुए भावांजलि दी तथा धर्म संघ को प्रदत विभिन्न आयामों को याद किया।

पूर्व अध्यक्ष बहादुर सेठिया ने गीत की प्रस्तुति दी, कन्हैयालाल चिप्पड़ तथा कमलसिंह दुगड़ ने आचार्यश्री के गुणों को याद किया। गौतम कोठारी के अलावा तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम के पूर्व प्रबंध न्यासी माणकचंद बलदोटा ने अपने विचार व्यक्त किए।

इस मौके पर अन्य सदस्य भी उपस्थित थे। ज्ञातव्य है कि साध्वीश्री का आगामी चातुर्मास गांधीनगर में होना है।

आईवीएफ सदस्यों ने 'गुरु पुनवानी' की विकास यात्रा के बारे में जाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन(आईवीएफ) बेंगलूरु चैप्टर के सदस्यों ने अम्बेडकर जयंती पर 'वर्चुअल अनुभव' योजना का शुभारंभ गुरुपुनवानी कम्पनी के संजय बैद द्वारा किया गया। 'शून्य से शिखर तक' विकास यात्रा को जानने व समझने के इस कार्यक्रम के अंतर्गत संस्था के सदस्यों ने कुमारापार्क स्थित गुरुपुनवानी कम्पनी का दौरा किया। अध्यक्ष ललित डाकलिया ने सभी का स्वागत किया तथा चेयरमैन बाबूभाई मेहता ने संजय बैद का परिचय दिया।

इस अवसर पर संजय बैद ने अपनी 'शून्य से शिखर तक' की विकास यात्रा को साझा किया। उन्होंने बताया कि एक मोटर फाइनेंस कम्पनी में नौकरी करते हुए आज भवन निर्माण के क्षेत्र की अग्रणी कम्पनी गुरुपुनवानी के महत्वपूर्ण पार्टनर बन गए हैं। उन्होंने बताया कि जीवन में सफल होने के लिए निष्पक्ष, सरल, जोश से भरा एवं अनुशासित होना आवश्यक है तभी मंजिल की ओर बढ़ा जा सकता है।

कार्यक्रम में सचिव प्रशान्त सिंघी,बेंगलूरु चेप्टर के डॉ. वासु सारडा, प्रतीक गादिया, धर्मेन्द्र सकलेचा, रूपचंद कुमट, मनीष जैन, कपिश लाहोटी, पुखराज जैन, सुनील लोढ़ा, रवि जैन, रमेश खाबिया आदि सदस्य उपस्थित थे।

चन्द्रप्रभु स्थूलभद्र पूजा महिला मण्डल ने किए संजीवनी ज्वाला माता के दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के आरटीनगर स्थित मंजुनाथ लेआउट में संजीवनी ज्वाला लब्धि मंदिर में सोमवार को ओकलीपुरम के चन्द्रप्रभु स्थूलभद्र पूजा महिला मण्डल द्वारा गुरु सत्यज्वालाजी के सान्निध्य में भक्ति की गई। महिला मण्डल की सदस्याओं ने ज्वालामालिनी मैया के कई भक्ति गीतों का गान किया और माता की मनमोहक प्रतिमा के दर्शन कर मंदिर में ज्योत ली व पूजा की। इस अवसर पर गुरु सत्यज्वालाजी ने ज्वालामालिनी माता की असीम महिमा का वर्णन करते हुए कई प्रेरक दृष्टांत सुनाए। महिला श्रद्धालुओं ने शांत और भक्तिपूर्ण वातावरण में मातारानी के जाप किए। इस दौरान रश्मीबेन, मधुमिताबेन, नयनाबेन, सन्तोष संघवी, आशाबेन, वन्दना बेन, चार्मी बेन,अंजली बेन, अरुणा बेन, रिंकु बेन, जयंती बेन, संतोष बेन, खुशबु बेन, भगुबेन, विमलाबेन, मधुबेन एवं किरणबेन सहित अन्य सदस्याएं उपस्थित थीं।

जीतो साउथ लेडीज विंग ने आयोजित की 'वॉइसक्राफ्ट-पब्लिक स्पीकिंग' कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन(जीतो) साउथ लेडीज़ विंग द्वारा सक्षम योजना के अंतर्गत जीतो कार्यालय में 7 दिवसीय कार्यशाला 'वॉइसक्राफ्ट, मास्टर दि आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग' का शुभारंभ सोमवार को किया गया।

चेयरपर्सन बबीता रायसोनी ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि वॉइसक्राफ्ट केवल बोलने की कला नहीं, बल्कि अपनी आंतरिक आवाज़ को पहचानने, आत्मविश्वास विकसित करने और विचारों को प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने का माध्यम है। मुख्य अतिथि एवं संयोजक प्रवीण सोफाड़िया ने इस पहल की सराहना की। संयुक्त सचिव चंद्रा जैन कहा कि यह कार्यशाला महिलाओं को झिझक से बाहर निकालकर आत्मविश्वासी वक्ता बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है।

शालू भंडारी ने पॉडकास्ट शुरू करने का सपना साझा किया। अरुणा जैन ने इसे विशेषज्ञ प्रशिक्षकों से सीखने और व्यक्तिगत विकास का उत्तम अवसर बताया। ङ्गइस कार्यशाला में अनुभवी प्रशिक्षकों हितेश छाजेड़, रक्षा जैन और मुकेश भंडारी ने प्रशिक्षण दिया जाएगा। संयोजक हेमा सोलंकी एवं सह-संयोजक पूजा जैन ने प्रशिक्षकों का परिचय कराया। पहले दिन के प्रशिक्षक हितेश छाजेड़ ने पब्लिक स्पीकिंग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि प्रभावी संवाद से सम्मान, नेटवर्किंग, नए अवसर और जीवन में प्रगति के मार्ग खुलते हैं। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों और रोचक संवाद के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रभावित किया। कार्यक्रम के दौरान आगामी बैडमिंटन टूर्नामेंट की घोषणा अंगिका बाफना ने गई। अंत में कोषाध्यक्ष संगीता पारख ने सभी को धन्यवाद दिया।

संसाधनों का अत्यधिक उपभोग ही समस्याओं का मुख्य कारण : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। हुब्बल्ली से गदग की पदयात्रा के दौरान मंगलवार को अन्नीगेरी में शारदा इंग्लिश मीडियम स्कूल में श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि संसाधनों का अत्यधिक उपभोग आधुनिक विश्व की समस्याओं का मुख्य कारण है। जहां देखो वहां, सभी लोग अधिक से अधिक चीज-वस्तुएं जुटाकर और सुविधाएं खड़ी कर सुखी होना चाहते हैं। हकीकत में भोग-उपभोग की अंतहीन यह दौड़ ही मनुष्य को परेशान व दु:खी कर रही है। आधुनिक युग में ही मनुष्य सुखी हुआ है, यह अवधारणा सरासर गलत है। सच्चाई यह है कि हर काल में मनुष्यजाति ने अपने लिए आवश्यक सुख-सुविधाओं का निर्माण कर जीवनयापन किया है, इसलिए तकनीकी विकास और साधन-सामग्रियां ही सुख देंगी, ऐसा मानकर चलना आधुनिक समाज की सबसे बड़ी भ्रांति है।ङ्गजैनाचार्य ने कहा कि धन, शरीर, परिवार और साधन-सामग्रियां, सभी नाशवंत हैं। लाख कोशिशों के बाद भी कोई इन्हें सदाकाल संभालकर सुरक्षित नहीं रख सकता। इनका पुराना पड़ना, बिगड़ जाना, खो जाना या नष्ट होना, नियति हैं। मनुष्य का संतुष्ट मन, सकारात्मक चिंतन और सादगीपूर्ण जीवनशैली ही सुख-शांति का वास्तविक स्रोत है। इसके मात्र विचारात्मक ही नहीं, रचनात्मक प्रयोग भी किए जा सकते हैं। आधुनिक युग में सादगी विदा हो चुकी है। महत्वाकांक्षाओं और अपेक्षाओं में उलझा मनुष्य मन से बीमार होता जा रहा है। भोग-उपभोग की अत्यधिक भूख ने शांति और संतोष को जलाकर स्वाहा कर दिया है।ङ्गआचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि सिनेमा, टीवी, विज्ञापन और सोशल मीडिया में देख-देखकर गरीब व सामान्य वर्ग की नई पीढियां भी सुख-सुविधाओं और साधन-सामग्रियों के लिए अत्यधिक मात्रा में तरस रही हैं।

जब उन्हें यह सब सहजता से प्राप्त नहीं होता तो वह चाहत और भूख उन्हें क्रोध, झूठ, चोरी, ईर्ष्या, घृणा और बलात्कार जैसे अपराधों के लिए प्रेरित कर जीवन को बरबाद कर रही हैं। इस अर्थ में आने वाला जमाना शुभ नहीं, बहुत विकट और अशुभ होगा। अपराधों की मात्रा घटने के बजाय बढ़ेंगी। कानून के दायरे से बचने के लिए ऐसे लोग नए रास्तों की तलाश करेंगे। जेन-जी के आंदोलनों में दिखाई दे रही आपराधिक मानसिकता इस बात के सबूत हैं। पुलिस उपनिरीक्षक उमा वेंकटगिरि ने भी आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी के दर्शन कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव विवाद

शिवकुमार ने पार्टी अनुशासन पर जोर दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में दावणगेरे दक्षिण उपचुनाव विवाद के बाद उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर राज्य के उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने मंगलवार को पार्टी अनुशासन के महत्व पर जोर दिया, जबकि कुछ नेताओं के खिलाफ की गई कार्रवाई ने सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर नई हलचलें पैदा कर दीं। शिवकुमार ने यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पार्टी उम्मीदवार और उसके बाद के घटनाक्रमों के संबंध में निर्णय नेताओं के साथ परामर्श और जमीनी स्तर से मिली रिपोर्ट के आधार पर लिये गए, जिस पर मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने कार्रवाई की।

उपमुख्यमंत्री की यह टिप्पणी मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव नसीर अहमद को पद से हटाए जाने की पृष्ठभूमि में आई है। अहमद को इन आरोपों के बाद तत्काल प्रभाव से मुक्त कर दिया गया कि उन्होंने दावणगेरे दक्षिण विधानसभा उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार के खिलाफ काम किया था। अनुभवी विधायक शमनूर शिवशंकरप्पा के निधन के कारण इस उपचुनाव की आवश्यकता आन पड़ी थी। कांग्रेस ने नौ अप्रैल को हुए चुनाव में उनके पोते समर्थ शमनूर को मैदान में उतारा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार ने कहा, ''यदि किसी भी दल में अनुशासन नहीं है, तो वह सुचारू रूप से नहीं चल सकता।'' उन्होंने कहा, हमने सभी को विश्वास में लेने के बाद उम्मीदवार पर फैसला किया था। हम हर दिन विभिन्न नेताओं के संपर्क में थे। उन सभी ने रिपोर्ट सौंपी और उसी के आधार पर मुख्यमंत्री ने (समर्थ को चुनावी मैदान में उतारने का) फैसला लिया।

शिवकुमार ने उल्लेख किया कि इन घटनाक्रमों के बीच कुछ कांग्रेस नेताओं ने पद छोड़ दिए हैं। दावणगेरे दक्षिण विधानसभा सीट पर उम्मीदवार चयन को लेकर पार्टी के भीतर अंतर्विरोध उभर आए थे। अल्पसंख्यक नेताओं के एक वर्ग ने निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम आबादी का हवाला देते हुए इस समुदाय से उम्मीदवार बनाने की मांग की थी और प्रतिनिधित्व न मिलने पर असंतोष व्यक्त किया था। हालांकि, नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद एक बागी उम्मीदवार ने अपना नामांकन वापस ले लिया, लेकिन खबरों के अनुसार नाराजगी बरकरार रही और कुछ नेता चुनाव प्रचार गतिविधियों से दूर रहे।

आरआर नगर में वर्षीतप तपस्वियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल राजराजेश्वरीनगर द्वारा वर्षीतप साधकों का सम्मान कार्यक्रम मंगलवार को तेरापंथ भवन में रखा गया। अध्यक्ष मंजू बोथरा ने सभी का स्वागत करते हुए आचार्यश्री महाप्रज्ञ जी के 17वें महाप्रयाण दिवस की जानकारी देते हुए तपस्वियों की तप की अनुमोदना की। तपस्वी निर्मल चावत, सरिता बैद, संतोष चावत का परिचय हेमलता सुराणा ने दिया। मंडल की सदस्याओं ने गीतिका के माध्यम से तपस्वियों की अनुमोदना की तथा सभी तपस्वियों का सम्मान जैन पट्ट, माला पहनाकर एवं सम्मान पत्र प्रदान कर किया गया। पूर्व अध्यक्ष सरोज बैद, सुमन पटावरी, सहमंत्री आशा लोढ़ा एवं कार्यकारिणी सदस्यों सहित 35 श्रावक श्राविकाएं उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार मंत्री वंदना भंसाली ने किया।

अम्बेडकर जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के विश्व मानव डॉक्टर बीआर अंबेडकर युवक संघ द्वारा 135वीं अंबेडकर जयंती के उपलक्ष्य में विजयनगर क्लब रोड में गुणानुवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित महेंद्र मुणोत ने डॉ अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करके उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। संघ के भास्कर एवं अन्य सदस्यों ने मुणोत को सम्मानित किया।

जीतो नार्थ लेडीज विंग ने शुरू की 'माइक मास्टर्स-पब्लिक स्पीकिंग' कार्यशाला

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जैन इन्टरनेशनल ट्रेड आर्गेनाइजेशन (जीतो) नार्थ लेडीज़ विंग द्वारा सक्षम योजना के अंतर्गत जीतो कार्यालय में 6 दिवसीय कार्यशाला 'माइक मास्टर्स - मास्टरिंग दि आर्ट ऑफ पब्लिक स्पीकिंग' का शुभारंभ सोमवार को किया गया। इस कार्यशाला में लगभग 30 बच्चों ने भाग लिया, जिसका उद्देश्य बच्चों में स्टेजफियर को दूर कर आत्मविश्वास एवं पब्लिक स्पीकिंग कौशल को विकसित करना है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में लेडीज विंग नॉर्थ संयोजक नेमीचंद दलाल, प्रशिक्षक नरेश गादिया, कृषा शाह एवं अवधि चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। लेडीज विंग की अध्यक्ष लक्ष्मी बाफना ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि 'माइक मास्टर्स' केवल बोलना नहीं सिखाएगा, बल्कि बच्चों को बिना डर के अपनी बात रखने का आत्मविश्वास देगा। नेमीचंद दलाल ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि आज के दौर में कम्युनिकेशन स्किल सबसे बड़ी ताकत है। कार्यक्रम के अंतर्गत प्रशिक्षकों ने पहले दिन बच्चों को रोचक गतिविधियों के माध्यम से स्टेज फियर दूर करने के उपाय सिखाए। नरेश गादिया ने इंटरएक्टिव सत्रों से बच्चों का मार्गदर्शन किया, कृषा शाह ने बच्चों को प्रतिदिन आईने के सामने 2 मिनट बोलने का अभ्यास करने तथा अवधि चौहान ने आगामी गतिविधियों की जानकारी साझा की। लेडीज विंग महामंत्री रक्षा छाजेड़ ने संचालन किया। इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुमन वेदमुथा, कोषाध्यक्ष तनुजा मेहता, सहमंत्री मीना बडेरा, स्वीटी जैन एवं लता नवलखा आदि उपस्थित थे।

पटना में सतुआनी त्योहार सेलिब्रेशन के मौके पर भक्त पूजा करते हुए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com/**RNI No. 58061/93.**